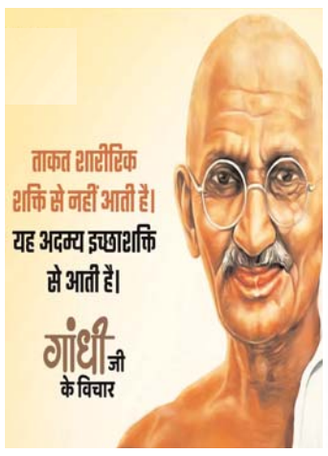

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-185 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 01 सितम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

किर्गिस्तान में पुतिन-मोदी की मुलाकात, दोनों लीडर गले मिले

PM ने BRICS के लिए न्योता दिया; एक ही कार में बैठकर नोमैड गेम्स सेरेमनी में पहुंचे

बिश्केक (ए.)। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में SCO शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की मुलाकात हुई। यह बैठक करीब 10 मिनट चली। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को गले लगाया। दोनों देशों की द्विपक्षीय बैठक में यूक्रेन युद्ध समेत वैश्विक हालात और भारत-रूस संबंधों पर चर्चा हुई। मोदी ने पुतिन से कहा- दुनिया को कभी न खत्म होने वाले युद्धों से आगे बढ़कर उन्हें खत्म करने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। भारत भी शांति की दिशा में किए जा रहे सभी प्रयासों का समर्थन करता है।पुतिन से मुलाकात के दौरान मोदी ने उन्हें सितंबर में होने वाले BRICS शिखर सम्मेलन में शामिल होने का न्योता भी दिया। इसके बाद दोनों नेता एक ही गाड़ी में बैठकर 6वें वर्ल्ड नोमैड गेम्स के उद्घाटन में पहुंचे। इससे पहले मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान समेत कई देशों के नेताओं से द्विपक्षीय मुलाकात की। बिश्केक में

हो रहे SCO शिखर सम्मेलन में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान और ईरान समेत 10 सदस्य देशों के नेता शामिल हो रहे हैं।

SCO समिट: रूसी सेना में भारतीयों की भर्ती के मुद्दे पर मिसरी का जवाब

रूसी सेना में काम कर रहे भारतीयों के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा, हमारे नागरिकों को रूसी सेना में भर्ती किए जाने का मुद्दा भारत और रूस के बीच कई स्तरों पर और कई बार उठाया गया है। मॉस्को में हमारा दूतावास इन भारतीय नागरिकों की रिहाई और उन्हें वापस लाने के मामले पर लगातार नजर रख रहा है। मिसरी ने कहा-हम रूसी पक्ष के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं ताकि बचे हुए मामलों में लोगों को जल्द से जल्द सेवा से मुक्त कराया जा सके और उन्हें उनके परिवारों के पास वापस भेजा जा सके।

मिसरी ने बताया- आखिरी जानकारी के अनुसार 227 ऐसे भारतीय नागरिकों के बारे में पता चला था जिन्हें रूसी सेना में भर्ती किया गया था। इनमें से 139 नागरिकों को सेवा से मुक्त किए जाने की जानकारी हमें मिली है। दुर्भाग्य से, हमें 51 ऐसे लोगों के बारे में भी जानकारी मिली है जिनकी अब तक मौत हो चुकी है। यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर हम रूसी पक्ष के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं।

ग्रेटर नोएडा में स्लीपर बस के अंदर 16 वर्षीय छात्रा से गैंगरेप, चालक और कंडक्टर गिरफ्तार

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में निर्भया बलात्कार की याद ताजा हो गई। यहां एक 16 वर्षीय नाबालिग छात्रा का स्लीपर बस में गैंगरेप किया गया है। घटना 4 अगस्त की बताई जा रही है। छात्रा की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी बस चालक और कंडक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी पहचान कुलदीप और संदीप के रूप में हुई है। पुलिस ने स्लीपर बस को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है।उत्तर प्रदेश के मैनपुरी निवासी पीड़िता 11वीं की छात्रा है। उसने 4 अगस्त को परिवार के साथ झगड़ा किया और बिना बताए नोएडा में अपनी चचेरी बहन से मिलने निकल गई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन के रामघाट पर भूत भावन भगवान महाकालेश्वर की पंचम सवारी में शामिल हुए।

प्रदेश के लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए मिलेंगे 25-25 हजार रुपये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 1 सितंबर को 304 करोड़ 98 लाख 50 हजार रुपये से अधिक की राशि का करेंगे अंतरण

भोपाल (आरएनएस)। कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या अधिक अंक पाने वाले प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों का आधुनिक तकनीक से जुड़ने का सपना जल्द ही पूरा होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रुपये की राशि का अंतरण करेंगे। विद्यार्थियों को यह राशि 1 सितंबर को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में आयोजित लैपटॉप क्रय के लिये राशि वितरण कार्यक्रम के दौरान प्रदान की जाएगी। प्रदेश सरकार द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें डिजिटल तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत कक्षा 12वीं की परीक्षा में पहले ही प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को लैपटॉप खरीदने के लिए 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है।प्रदेश सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत इस वर्ष प्रदेश के लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है। प्रत्येक विद्यार्थी के खाते में 25 हजार रुपये की राशि अंतरित की जाएगी।

नेपाल में फिर आ सकती है तबाही, बढ़ रहा भटकोशी नदी का जलस्तर, एजेंसियां सतर्क

काठमांडू (आरएनएस)। नेपाल में 26 अगस्त को आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन की त्रासदी के बाद हालात अभी भी गंभीर बने हुए हैं। रविवार को भोटेकोशी नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने से अधिकारियों ने नई बाढ़ चेतावनी जारी की है। प्रभावित जिलों में रहने वाले लोगों के साथ बचाव दलों को भी सतर्क रहने की सलाह दी गई है।बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 903 हो गई है, जबकि करीब 4,248 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। आपदा के पांचवें दिन भी 20 हजार से अधिक बचावकर्मी राहत और बचाव अभियान में जुटे रहे।

सितंबर की शुरुआत में सक्रिय रहेगा मानसून, कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

-पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ का खतरा,मध्य भारत में भी भारी वर्षा की चेतावनी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार सितंबर की शुरुआत में देश के कई हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय बना रहेगा। 31 अगस्त से 5 सितंबर के बीच कई राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार वर्षा के कारण जलभराव, भूस्खलन और अचानक बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने संवेदनशील क्षेत्रों में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

फिलहाल देश के मौसम पर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र का प्रभाव बना हुआ है। इसके अलावा मानसून की अक्षीय रेखा और अरब सागर से आने वाली नमी वाली हवाएं भी वर्षा के लिए अनुकूल परिस्थितियां बना रही हैं। इन मौसमी प्रणालियों के कारण देश के पूर्वी और उत्तरी हिस्सों में बादल बनने और बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी घाट के प्रभाव से पश्चिमी तट पर भी वर्षा का दौर जारी रहने की उम्मीद है।हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 31 अगस्त से 1 सितंबर के बीच कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1 से 5 सितंबर के बीच व्यापक वर्षा होने की संभावना जताई गई है। पश्चिमी राजस्थान में भी 3 से 5 सितंबर के बीच बारिश हो सकती है।पहाड़ी राज्यों में भारी बारिश के कारण भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। उत्तराखंड के अल्मोड़ा, चमोली, रुद्रप्रयाग, हरिद्वार और नैनीताल जैसे क्षेत्रों में वर्षा से मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इन क्षेत्रों में 31 अगस्त से 2 सितंबर तक गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है।

हिमाचल प्रदेश में भी मौसम खराब रहने की संभावना है। शिमला सहित कई क्षेत्रों में भारी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की गई है। शिमला मौसम केंद्र ने 3 सितंबर तक कुछ इलाकों में भारी बारिश की संभावना जताई है। बिलासपुर, कुल्लू और मंडी विशेष रूप से प्रभावित हो सकते हैं।

एयर इंडिया प्लेन की अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग

अहमदाबाद (आरएनएस)। एयर इंडिया की एक फ्लाइट की बम की धमकी मिलने के बाद अहमदाबाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई. फ्लाइट सऊदी अरब के दम्माम से नई दिल्ली जा रही थी।

इस फ्लाइट को एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने बम की धमकी मिलने के बाद अहमदाबाद की ओर मोड़ दिया था. प्लेन के क्रू मेंबर को टॉयलेट में एक टिश्यू पेपर मिला जिस पर बम लिखा था. अहमदाबाद पुलिस के मुताबिक, विमान की जांच की जा रही है। प्लेन में सवार सभी 32 यात्रियों को बिना किसी घटना के सुरक्षित उतारकर सीधे टर्मिनल 2 भेज दिया गया. टर्मिनल बिल्डिंग के अंदर सुरक्षाकर्मियों ने यात्रियों को कड़ी निगरानी में रखा, जबकि इमरजेंसी टीमें मौके पर इकट्ठा हो गईं। बम निरोधक दस्ते ने केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों और एयरपोर्ट पुलिस के साथ मिलकर केबिन, कार्गो होल्ड और फ्यूजलेज (प्लेन की मुख्य बॉडी) की बारीकी से तलाशी ली.जांच अधिकारी सभी 32 यात्रियों से पूछताछ कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि कागज मिलने से कुछ देर पहले कौन टॉयलेट गया था. जांचकर्ता प्लेन में सवार सभी लोगों की हैंडराइटिंग के सैंपल और हस्ताक्षर ले रहे हैं ताकि कागज पर लिखी लिखावट से उनका मिलान किया जा सके।

खौफनाक कृत्य, श्मशान घाट में जलती चिता से मांस निकालकर खाने लगी अघोरी महिला

उज्जैन, (आरएनएस)। धार्मिक नगरी उज्जैन में सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में खुद को अघोरी और किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बताने वाली काली उर्फ नंद गिरी कथित तौर पर श्मशान घाट में जलती चिता के पास जाती और उसमें से कुछ निकालकर खाती नजर आ रही हैं। वीडियो सामने आने के बाद संत समाज और स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो महिला के इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किया गया था। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। वायरल वीडियो में महिला कथित तौर पर चिता से मांस खाने की बात कहती नजर आती हैं। इसके बाद वह हाथ में तलवार लेकर जलती चिता के पास पहुंचती हैं और उसमें से कुछ निकालकर खाने का दावा किया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद उज्जैन के साधु-संतों और अघोर परंपरा से जुड़े लोगों ने इस पर गंभीर आपत्ति जताई है।

संतों ने कहा- अंतिम संस्कार की मर्यादा का उल्लंघन

जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर शैलेशानंद गिरी महाराज समेत कई संतों ने कथित घटना की निंदा की है। संतों का कहना है कि शव और अंतिम संस्कार से जुड़ी मर्यादाओं का उल्लंघन गंभीर विषय है और इसे सनातन परंपराओं के अनुरूप नहीं माना जा सकता। अघोर अखाड़े के प्रमुख बाबा विष्णु नाथ ने भी वीडियो को लेकर आपत्ति जताई। उनका कहना है कि सोशल मीडिया पर लाइक्स, व्यूज और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए अघोर परंपरा का इस तरह सार्वजनिक प्रदर्शन उसकी गरिमा को नुकसान पहुंचाता है।

बाबा महाकाल का फूलों, सूखे मेवों और भांग से किया गया शृंगार, भस्म आरती में बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

उज्जैन,(आरएनएस)। भाद्रपद कृष्ण पक्ष तृतीया (सुबह 8.51 तक) सोमवार को श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल की भस्म आरती की गई। इस अलौकिक दृश्य के साक्षी बनने के लिए मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।सोमवार तड़के भगवान वीरभद्र की आज्ञा लेने के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ बाबा महाकाल के कपाट खोले गए। दिव्य शृंगार और भस्म आरती के बाद जैसे ही श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन हुए, पूरा मंदिर परिसर 'जय श्री महाकाल' के उद्घोष से गूंज उठा। मंदिर परिसर घंटियों, शंखध्वनि और मंत्रोच्चार से गुंजायमान हो उठा।महाकाल मंदिर के पट खुलने के साथ ही मंत्रोच्चार के बीच भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शहद, और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। बाबा महाकाल की पूजा के दौरान प्रथम घंटाल बजाकर हरिओम जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा ने मुकुट धारण किया। इसके बाद झांझ-मंजीरे, ढोल-नगाड़े, और शंखनाद के साथ भस्म आरती की गई।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों को अवगत कराना हमारी प्राथमिकता है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ओरछा को पर्यटन के अद्भुत केन्द्र के रूप में किया जा रहा है विकसित

भोपाल (आरएनएस) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ओरछा को पर्यटन के अद्भुत केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। ओरछा का राम राजा मंदिर हमारे गौरवशाली अतीत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संपदा है। यहां के मंदिर एवं महल तत्कालीन समृद्ध स्थापत्य के प्रत्यक्ष उदाहरण हैं, जो हमें हमारी प्राचीन धरोहर और संस्कृति से जोड़े रखते हैं। ये तत्कालीन उन्नत तकनीक और स्थापत्य के भी अद्भुत उदाहरण हैं, पहले एअर कंडीशनर नहीं होते थे, लेकिन यहां के भवन वातानुकूलित बने है, जो गर्मी में ठंडे और ठंड में गर्मी का एहसास कराते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज ओरछा स्थित ऐतिहासिक एवं आस्था के प्रमुख केन्द्र श्री रामराजा लोक में जारी निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निरीक्षण के बाद मीडिया से चर्चा में यह विचार-व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्माणाधीन रामराजा लोक परिसर में विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हुए प्रतिष्ठान संचालकों से संवाद किया तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जुझार सिंह महल में चल रहे निर्माण तथा जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने जहांगीर महल का भ्रमण कर यहां की ऐतिहासिक एवं समृद्ध स्थापत्य कला का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को निरीक्षण के दौरान आर्किटेक्ट द्वारा मंदिर परिसर स्थित प्राचीन एवं ऐतिहासिक 'सावन-भादो' स्तंभों के संरक्षण एवं उनके स्थापत्य महत्व के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। बताया कि रामराजा लोक की संरचना एवं विकास कार्यों को आकार देते समय मंदिर परिसर की प्राचीन धरोहरों, विशेषकर 'सावन-भादो' स्तंभों के मूल स्वरूप एवं ऐतिहासिक महत्व का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। बुंदेलखंड की विशिष्ट स्थापत्य कला के प्रतीक इन प्राचीन स्तंभों की संरचना एवं निर्माण शैली अपने समय की उन्नत तकनीक को दर्शाती है। नए निर्माण कार्यों के दौरान इन प्राचीन संरचनाओं को किसी प्रकार की क्षति नही पहुंचे, इसका विशेष ध्यान रखते हुए उनके आसपास के क्षेत्र को व्यवस्थित, सुंदर एवं श्रद्धालुओं के लिए सुगम बनाया जा रहा है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे गौरवशाली बुन्देला राजाओं का ओरछा बुंदेलखंड की राजधानी के रूप पहचाना जाता था। यहां के प्राचीन महल और भवन, हमारी समृद्ध विरासत हैं, उसे जीवंत करने के लिए सरकार काम कर रही है। तत्कालीन समय में निर्माण कार्यों में जिस प्रकार की सामग्री लगाई जाती थी, उसी सामग्री से भवनों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य यह है कि हमारे गौरवशाली अतीत के प्रतीक ये भवन उसी स्वरूप में दिखें जिस स्वरूप में वह वर्षों पहले थे। इसके लिए हमारे अधिकारियों के नेतृत्व और मार्गदर्शन में कुशल कारीगर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्री महाकाल महालोक के निर्माण के बाद उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, उज्जैन की अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है। इसी तर्ज पर मध्यप्रदेश के प्रमुख तीर्थस्थलों जैसे ओरछा, चित्रकूट, दतिया, नलखेड़ा, पशुपतिनाथ मंदसौर आदि का भी समग्र विकास किया जा रहा है। इससे धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। भगवान श्रीराम ने अपने 14 वर्ष के वनवास में, लम्बी अवधि चित्रकूट में व्यतीत की। भगवान श्रीकृष्ण की जहां शिक्षा भी हुई, उज्जैन के सांदीपनि आश्रम सहित भगवान श्रीकृष्ण की जहां-जहां लीलाएं हुईं, उन सब स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा। हमारी गौरवशाली विरासत को धार्मिक सांस्कृतिक भावनाओं के अनुरूप आने वाली पीढ़ियों से जोड़ने और उन्हें इस अतीत से परिचित कराने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित हैं, इन्हें संरक्षित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने आज लोकभवन में सौजन्य भेंट की

रोड सेफ्टी कमेटी के अध्यक्ष श्री सप्रे पहुंचे फिटनेस सेंटर

वाहनों की फिटनेस प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के निर्देश

भोपाल (ए)। सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के अध्यक्ष सेवानिवृत न्यायमूर्ति श्री अभय मनोहर सप्रे ने अनफिट वाहनों को फिट घोषित करने की प्रक्रिया को पारदर्शी रखने के निर्देश दिए हैं। श्री सप्रे ने सोमवार को बायपास स्थित भोपाल ऑटोमेटिक फिटनेस सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। अध्यक्ष श्री सप्रे ने वाहनों का फिटनेस किये जाने की संपूर्ण प्रक्रिया का अवलोकन किया। फिटनेस के दौरान वहां मौजूद एक वाहन की संपूर्ण फिटनेस प्रक्रिया कराई गई। फिटनेस टेक्नीशियन से जब पूछा गया कि क्या हुआ? तब टेक्नीशियन ने कहा कि यह वाहन पास हो गया है परंतु जब उक्त वाहन की सिस्टम पर रिपोर्ट देखी गई तो वह वाहन हेडलाइट और हॉर्न की कमी के कारण फेल दिखाया गया। श्री सप्रे ने आपत्ति ली और निर्देश दिए कि जब तक रिपोर्ट कंप्लीट नहीं हो जाती तब तक इस प्रकार का निर्णय नहीं आना चाहिए। बाद में उन्होंने संपूर्ण प्रक्रिया का अवलोकन कर समझाईश दी और कहा कि किसी भी प्रकार का कोई कार्य ऐसा नहीं किया जाए जिससे अनफिट वाहनों को प्रक्रिया पूर्ण किए बिना फिट कर दिया जाये।

भोपाल के रहवासी इलाकों में व्यावसायिक गतिविधियों पर निगम ने की सीलिंग कार्रवाई, 15 से ज्यादा प्रतिष्ठान कराए बंद

- व्यापारियों ने हंगामा करते पक्षपात का लगाया आरोप

भोपाल, (ए.)। उच्चतम न्यायालय की सख्ती के बाद मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के आवासीय क्षेत्रों में अवैध व्यावसायिक गतिविधियों पर नगर निगम ने बड़े पैमाने पर सीलिंग कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार को हुई कार्रवाई में महज 4 घंटों में 15 से अधिक प्रतिष्ठानों को बंद करा दिया गया। वहीं, अरेरा कॉलोनी सहित कई इलाकों में व्यापारियों ने जमकर हंगामा करते हुए निगम पर छोटे कारोबारियों को निशाना बनाने और बड़े मॉल्स को छोड़ने का आरोप लगाया।राजधानी भोपाल के आवासीय क्षेत्रों में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों पर सोमवार सुबह 9 बजे से नगर निगम का कड़ा चाबुक चला। उच्चतम न्यायालय के सख्त निर्देशों के अनुपालन में शुरू हुई इस कार्रवाई से पूरे शहर के व्यापारियों में हड़कंप मच गया। नगर निगम की टीमों ने अलग-अलग पुलिस थानों के भारी बल के साथ मैदान संभालते हुए महज 4 घंटे की भीतर सर्वधर्म, अरेरा कॉलोनी, रचना नगर और खानूगांव जैसे पॉश इलाकों में 15 से अधिक प्रतिष्ठानों को सील और बंद करा दिया। कार्रवाई के दौरान सबसे अधिक तनाव ई-3 अरेरा कॉलोनी और आर्य समाज मंदिर के पास देखने को मिला। जब निगम अमला दुकानें बंद कराने पहुँचा, तो स्थानीय कारोबारियों का गुस्सा फूट पड़ा। व्यापारियों ने सीधे तौर पर पक्षपात के आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन सिर्फ छोटे दुकानदारों को बलि का बकरा बना रहा है, जबकि बड़े रसूखदारों और शॉपिंग मॉल्स पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

सड़कों पर पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए समाज की भागीदारी सुनिश्चित होगी

अब भोपाल, इंदौर और उज्जैन सहित 9 जिलों में चलेगा जीरो फेटिलिटी डिस्ट्रिक प्रोग्राम

भोपाल, (निप्र.)। सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति श्री अभय मनोहर सप्रे ने सड़कों पर पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं और मृत्यु को रोकने के लिए समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय स्तर पर समितियों का गठन कर उनसे मदद लेने और उन्हें प्रोत्साहन राशि भी प्रदाय करने की आवश्यकता बतायी है। उन्होंने पशुओं आदि के कारण होने वाली सड़क दुर्घटना को रोकने के लिये लघु और दीर्घ कालीन योजना बनाकर समय-सीमा मे क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए भी कहा है। बैठक में इंदौर भोपाल और उज्जैन में जीरो फेटिलिटी डिस्ट्रीक प्रोग्राम प्रारंभ करने पर सहमति बनी। वर्तमान में 6 जिलों धार, सतना, रीवा, सागर, जबलपुर एवं खरगौन के साथ उज्जैन, भोपाल एवं इन्दौर जिलों में भी जीरो फेटलिटी डिस्ट्रिक प्रोग्राम का क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्य सचिव कार्यालय में सम्पन्न हुई बैठक में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक मे यह भी तय किया गया है कि प्रदेश में होने वाली सड़क दुर्घंटनाओ का विश्लेषण कर भविष्य में उक्त स्थलों और कारणों से दुर्घटना नहीं हो, इसके संबंध में कार्य-योजना तैयार कर उसका समुचित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जायेगा।

शासन की प्राथमिकताओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : संभागायुक्त श्री शर्मा

भोपाल, (निप्र.)। शासन की प्राथमिकताओं और विकास कार्यों की समीक्षा, अधिकारियों को जनहित में त्वरित एवं प्रभावी कार्य करने के निर्देश संयुक्त संचालक कृषि एवं कल्याण विभाग को कारण बताओ नोटिस जारीभोपाल भोपाल संभाग आयुक्त कर्मवीर शर्मा ने सोमवार को संभाग आयुक्त कार्यालय से सभी जिलों में संचालित शासन की प्राथमिकताओं, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की विभागवार वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की। उन्होंने बैठक में सुशासन को प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को जनहित में प्रभावी कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकताएं ही संभाग के सभी जिलों की प्राथमिकताएं हैं।

BMHRC की हाउसकीपिंग एजेंसी पर रु 50 हजार का जुर्माना

मेडिकल वेस्ट मिक्स करने पर कार्रवाई; पहले भी लग चुका है 10 हजार का फाइन

भोपाल(ए) । भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की हाउसकीपिंग एजेंसी पर नगर निगम ने 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। सोमवार को औचक निरीक्षण के दौरान कचरे में बड़ी मात्रा में बायोमेडिकल वेस्ट मिला। इसके बाद जोन-17 के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी राम रतन लोहिया और नगर निगम की टीम ने कार्रवाई की। एजेंसी पर पहले भी 10 हजार रुपए का जुर्माना हो चुका है।नगर निगम की टीम ने सोमवार को BMHRC का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल के कचरे में बड़ी मात्रा में बायोमेडिकल वेस्ट मिला हुआ पाया गया। मेडिकल वेस्ट समेत अन्य कचरे के निस्तारण की जिम्मेदारी हाउसकीपिंग एजेंसी BVG की है।निगम सूत्रों के मुताबिक, अस्पताल के कचरे में बायोमेडिकल वेस्ट मिलाने की शिकायतें पहले से मिल रही थीं। इन्हीं शिकायतों के बाद सोमवार को औचक निरीक्षण किया गया। जांच में शिकायत सही मिलने पर एजेंसी पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। BVG पर इससे पहले भी मेडिकल वेस्ट को दूसरे कचरे में मिलाने के मामले में 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया जा चुका है।

राहुल गांधी पर एफआईआर को लेकर मप्र कांग्रेस का भाजपा पर हमला,जीतू पटवारी, कमलनाथ और उमंग सिंघार ने साधा निशाना

भोपाल, (ए.)। उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा के बाद कथित तौर पर आयोजन स्थल के 'शुद्धिकरण' को लेकर शुरू हुआ विवाद अब मध्य प्रदेश की राजनीति में भी तूल पकड़ गया है। इस मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सोमवार को अलग-अलग सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि हल्द्वानी में खड़गे की सभा के बाद आयोजन स्थल का 'शुद्धिकरण' कराया गया और जब राहुल गांधी ने इसे छुआछूत से जोड़कर सवाल उठाया तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई। पटवारी ने इसे भाजपा-आरएसएस की कथित दलित विरोधी मानसिकता से जोड़ते हुए कहा कि सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने वालों को दबाने की कोशिश की जा रही है। जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि भाजपा के मौजूदा राजनीतिक सिस्टम में दलितों और वंचित वर्गों के हितों के लिए आवाज उठाने वालों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी से भी इस मामले में जवाब मांगने की बात कही।

कमलनाथ ने कार्रवाई को बताया 'चोरी और सीनाजोरी'

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने हल्द्वानी की घटना और राहुल गांधी पर दर्ज एफआईआर को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए इसे 'चोरी और सीनाजोरी' बताया। उन्होंने कहा कि यदि खड़गे की सभा के बाद आयोजन स्थल का शुद्धिकरण किया गया है तो यह दलित समाज के अपमान से जुड़ा गंभीर विषय है। कमलनाथ ने आरोप लगाया कि मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के साथ मजबूती से खड़ी है।

उमंग सिंघार ने भी उठाए सवाल

मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी राहुल गांधी पर दर्ज एफआईआर को लेकर भाजपा पर राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा कि सामाजिक भेदभाव और छुआछूत के खिलाफ सवाल उठाने पर एफआईआर दर्ज होना गंभीर विषय है। सिंघार ने इसे भाजपा की कथनी और करनी में अंतर बताते हुए सरकार पर लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने का आरोप लगाया। उमंग सिंघार ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के विदेश में दिए 'भारत सबका है' संबंधी बयान का उल्लेख करते हुए भी भाजपा और संघ की विचारधारा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि समानता और सामाजिक सद्भाव की बात देश के भीतर भी उसी तरह लागू होनी चाहिए। हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा के बाद कथित तौर पर एक संगठन द्वारा वहां धार्मिक अनुष्ठान और 'शुद्धिकरण' किए जाने का मामला सामने आया। कांग्रेस ने इसे खड़गे की जाति से जोड़ते हुए छुआछूत और सामाजिक भेदभाव का मामला बताया है। खड़गे ने भी इस मुद्दे को संसद में उठाया था। वहीं, मामले को लेकर शिकायतकर्ता की ओर से अलग दावा किया गया है।

फर्जी IAS ने लाल साड़ी में विधानसभा में बनाया VIDEO:तृप्ति बोली- कोई नहीं मानेगा ऑफिसर्स हैं, हम थोड़े बेवकूफ हैं; सहेली ने बताया सीनियर

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले के चंदेरी में फर्जी ड्ढस् बनकर लोगों से ठगी के आरोप में गिरफ्तार तृप्ति सिंह राजपूत से जुड़े नए VIDEO सामने आए हैं। इनमें तृप्ति अपनी दो सहेलियों के साथ विधानसभा परिसर में घूमती और ब्लॉग बनाती नजर आ रही है।एक VIDEO में तृप्ति लाल साड़ी पहने दिखाई देती है, जबकि उसकी सहेली उसे 'सीनियर' बताते हुए नजर आती है, जबकि तृप्ति कहती है- हम प्रोबेशनर हैं। साथ ही थोड़े 'बेवकूफ' हैं। वीडियो में तीनों के बीच बातचीत और हंसी-मजाक भी दिखाई देता है।विधानसभा परिसर के बाहर बनाए गए वीडियो में तृप्ति की एक सहेली कहती है कि वे विधानसभा अटेंड करने आई हैं। उसने कहा कि उन्होंने सोचा कि क्यों न अपना पहला ब्लॉग बनाया जाए। अंदर फोटो और वीडियो बनाने की अनुमति नहीं है, इसलिए वे बाहर ही थोड़ा शूट कर रहे हैं। इसके बाद तृप्ति कहती है कि उनकी हरकतों को देखकर कोई अधिकारी नहीं समझेगा। वह कहती है कि जिस तरह वे तीनों व्यवहार कर रही हैं, उसे देखकर कोई कल्पना भी नहीं कर सकता कि वे तीनों IAS अधिकारी हैं। इसके बाद वह खुद को प्रोबेशनर बताते हुए कहती है कि वे थोड़े 'बेवकूफ' हैं।

तृप्ति की सहेली इसके बाद कहती है- 'नहीं-नहीं, हम दोनों प्रोबेशनर्स हैं, ये ऑलरेडी हमारी सीनियर हैं। इसके जवाब में तृप्ति कहती है- 'I want to lead probations, ठीक है? मैं सीनियर हूं, पर मैं इनके दोस्तों की तरह साथ हूं।' पुलिस अब तृप्ति के दोनों सहेलियों से भी पूछताछ कर सकती है।

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की जांच चंदेरी की कथित ठगी से आगे बढ़ गई है। आशंका है कि तृप्ति ऐसी जगहों पर जाकर लोगों को फंसाने के लिए और विश्वास दिलाने के लिए वीडियो बनाती थी, ताकि लोग आसानी से उसके जाल में फंस सकें।

पुलिस यह पता लगा रही है कि तृप्ति ने कब से फर्जी अफसर की पहचान बना रखी थी और इससे कितने लोगों को प्रभावित किया। तृप्ति पर चंदेरी में चार युवकों को सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर 9.80 लाख रुपए लेने का आरोप है। भोपाल के बागसेवनिया थाने में भी 39.17 लाख रुपए की धोखाधड़ी की FIR दर्ज है। इसमें MPT की होटल-रिसॉर्ट संपत्ति लीज पर दिलाने और नौकरी लगवाने के नाम पर रकम लेने का आरोप है।पुलिस उसके भाई और अन्य लोगों की भूमिका के साथ यह भी जांच रही है।

मप्र में नगरीय निकाय एवं पंचायत उपनिर्वाचन का कार्यक्रम घोषित, 29 सितम्बर को होगा मतदान

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा सोमवार को नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष 2026 पूर्वार्ध का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। मतदान 29 सितम्बर, 2026 को होगा। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव दिनेश श्रीवास्तव ने जानकारी दी है कि उप निर्वाचन के लिए निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य 8 सितम्बर 2026 से शुरू होगा। नाम निर्देशन पत्र 15 सितम्बर तक लिये जायेंगे, नाम निर्देशन पत्रों की जांच 16 सितम्बर को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 18 सितम्बर है। इसी दिन निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन होगा। नगरीय निकायों में मतदान 29 सितम्बर को सुबह 7 से शाम 5 बजे तक होगा। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 3 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से होगी। उन्होंने बताया कि पंचायतों में मतदान 29 सितम्बर को सुबह 7 से अपरान्ह 3.00 बजे तक होगा। पंच पद के लिये मतगणना मतदान के तुरंत बाद मतदान केन्द्र पर ही होगी। सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य की विकास खण्ड मुख्यालय पर ई.व्ही.एम. से की जाने वाली मतगणना 3 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से होगी। इसी दिन सरपंच एवं जनपद पंचायत सदस्य के निर्वाचन परिणामों की घोषणा की जायेगी। जिला पंचायत सदस्यों एवं पंच पद के लिए परिणामों की घोषणा 5 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10.30 बजे से की जायेगी।

सभी एसडीएम को नियमित रूप से उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण करने के निर्देश

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश के भोपाल कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्र की शासकीय उचित मूल्य दुकानों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों की सुविधा और स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जरूरत के अनुसार उचित मूल्य दुकानों के स्थान परिवर्तन की कार्रवाई भी की जाए। कलेक्टर मिश्रा ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला शिक्षा अधिकारी को आपसी समन्वय से आंगनवाड़ी केंद्रों को निकटवर्ती स्कूलों में सह-स्थापित करने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर मिश्रा ने सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण नहीं करने पर कोलार तहसील के तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ओरछा स्थित ऐतिहासिक जहाँगीर महल में चल रहे निर्माण एवं संरक्षण कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति का अवलोकन किया

केन्द्रीय जेल में बंदी भाइयों की कलाई पर बहनों ने बांधी राखी

उज्जैन, (आरएनएस)। जेल मुख्यालय के निर्देशानुसार विगत 28 अगस्त को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर केन्द्रीय जेल में परिरुद्ध बंदियों को उनकी बहनों से प्रत्यक्ष मुलाकात कराते

हुए राखी बंधवाने की विशेष व्यवस्था की गई। केन्द्रीय जेल अधीक्षक मनोज कुमार साहू ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर जेल प्रशासन द्वारा विशेष तैयारियां की गईं। जेल परिसर में आने वाली बहनों का स्वागत किया गया तथा उनके लिए पेयजल एवं टेंट की व्यवस्था की गई। जेल नियमों का पालन करते हुए प्रार्थना भवन में कुमकुम-चावल की थाली उपलब्ध कराई गई, जिससे बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांध सकें। इस दौरान कई बहनें अपने भाइयों से मिलने के लिए भावुक नजर आईं। जेल स्टॉफ द्वारा उन्हें सम्मानपूर्वक प्रवेश कराया गया तथा आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था के बीच मुलाकात कराई गई।केन्द्रीय जेल उज्जैन में कुल 1216 पुरुष बंदियों से 3439 महिला बहनों एवं 1429 बच्चों तथा 56 महिला बंदिनियों से 30 पुरुष भाइयों एवं 36 महिला बहनों की प्रत्यक्ष मुलाकात कराते हुए राखी बंधवाने की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती पर समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा पहुंची भैंसदेही

बैतूल (आरएनएस)। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा 31 अगस्त को सावलमेंढा से निकली। इस दौरान यात्रा प्रमुख ग्रामों का भम्रण करते हुए गुदगांवसे भैंसदेही पहुंची, जहां गाजे- बाजे के साथ यात्रा ने स्थानीय मंदीरों का भ्रमण किया। तत्पश्चात यात्रा का रात्रि विश्राम किया गया। यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। यात्रा में जनप्रतिनिधियों के साथ सामाजिक बंधु , संत रविदास समाज के अनुयायी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए। यात्रा के दौरान संत रविदास जी के विचारों और उनके द्वारा दिए गए सामाजिक समरसता, समानता एवं भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया।

इन विकासखंडो में पहुंचेगी संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की समरसता कलश यात्रा

संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की समरसता पावन कलश एवं कलश रथ जिला मुख्यालय से स्थानीय रविदास मंदिरों तथा ग्राम स्तर तक पहुंचाए जाएंगे। कलश रथ 20 अगस्त से 10 सितंबर तक जिले में निर्धारित मार्ग के अनुसार भ्रमण करेगा। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की समरसता कलश यात्रा 1 सितंबर को भैंसदेही नगर से रतनपुर भ्रमण एवं रात्रि विश्राम, 2 सितंबर को रतनपुर से भीमपुर चिरापतला भ्रमण एवं रात्रि विश्राम रहेगा।

इसके अलावा घोड़ाडोंगरी विकासखंड में 3 सितंबर को यात्रा चिरापाटला से चिचोली नगर भ्रमण एवं रात्रि विश्राम , 4 सितंबर को चिचोली नगर से पाढर भ्रमण एवं रात्रि विश्राम, 5 सितंबर को पाढर से घोड़ाडोंगरी, चोपना भ्रमण तथा रात्रि विश्राम रहेगा। बैतूल विकासखंड में 6 सितंबर को यात्रा चोपना नगर से बडोरा बैतूल पहुंचेंगी तथा रात्रि विश्राम रहेगा।

वहीं 7 सितंबर को यात्रा बडोरा से बैतूल बाजार नगर भ्रमण एवं रात्रि विश्राम, 8 सितंबर को बैतूल बाजार से खेड़ी सांवलीगढ़ भ्रमण एवं रात्रि विश्राम, 9 सितंबर को खेड़ी सांवलीगढ़ से बैतूल नगर भ्रमण, स्थानीय मंदिरों का भ्रमण एवं रात्रि विश्राम रहेगा तथा 10 सितंबर को बैतूल नगर भ्रमण कर शाम 6 बजे यात्रा का समापन किया जाएगा।

02 सितम्बर को बलराम जयंती के उपलक्ष्य में होगा भव्य आयोजन

- जिला पंचायत सीईओ ने अंतरविभागीय समन्वय बैठक में की तैयारियों की समीक्षा

ग्वालियर (ए.)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 2 सितम्बर को बलराम जयंती के उपलक्ष्य में किसानों का भव्य समारोह आयोजित होने जा रहा है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत ने सोमवार को अंतरविभागीय समन्वय बैठक में आयोजन की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष सभी तैयारियां जल्द से जल्द पूर्ण करें। विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय से ऐसी व्यवस्था बनाएं, जिससे किसान एवं हितग्राही सुविधाजनक तरीके से निर्धारित सेक्टर तक पहुँच सकें। साथ ही हर सेक्टर में पेयजल की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करें। बैठक में नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी व अपर कलेक्टर अनिल बनवारिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम स्थल पर आयुष्मान कार्ड व आधार कार्ड बनाने के लिये पृथक से काउण्टर लगाने के निर्देश भी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि सम्मेलन का लाभ उठाकर विभिन्न स्वरोजगारमूलक योजनाओं के तहत हितग्राहियों के आवेदन भी शिविर में भरवाए जाएं।

जेनको के अनुभाग अधिकारी फेडरेशन के क्षेत्रीय सचिव विमल महापात्र के सेवा निवृत्त होने पर हुआ अभिनंदन

*फेडरेशन के माध्यम से सक्रिय रहेंगे महापात्र

जबलपुर (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी जबलपुर के कार्यपालक निदेशक,ईधन प्रबंधन कार्यालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत एवं मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन के क्षेत्रीय सचिव विमल महापात्र जी आज अपनी सेवा आयु सफलता पूर्वक पूर्ण कर सेवा निवृत्त हुए। इस अवसर पर मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक, संगठन मंत्री दिनेश दुबे, राजीव गुप्ता योगेश पटेल, मोहित पटेल, अक्षय श्रीवास्तव,आर के वर्मा,जी के यादव,व्ही के उपाध्याय, पी के गुप्ता सहित बड़ी संख्या में फेडरेशन के पदाधिकारियों ने विमल महापात्र जी का शाल, श्रीफल भेंट कर और पुष्प माला पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने कहा कि विमल महापात्र जी ने सदैव से हर परिस्थिति और विपरीत परिस्थितियों में भी सिर्फ मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन के लिए पूरी ईमानदारी से समर्पित, कर्मठ रहकर कर्मचारियों के हित में लगातार कार्य किया है। आप लम्बे समय तक विभिन्न विधुत गृहों में भी कार्यरत रहे हैं। आपने विधुत गृहों में भी फेडरेशन में सदैव सक्रिय रहकर अग्रणी भूमिका में कार्य किया है। राकेश डी पी पाठक ने कहा कि मेरा श्री महापात्र जी से अनुरोध है कि वे अब फेडरेशन के माध्यम से प्रदेश के पूरे विधुत गृहों में और अधिक सक्रिय रहकर कर्मचारियों के हित में कार्य करेंगे। दिनेश दुबे ने बताया कि हम सबके प्रिय विमल महापात्र जी आज सोमवार 31 अगस्त 2026 को 40 वर्ष 03 माह की सेवा उपरांत मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी,मंडल से अनुभाग अधिकारी के पद से सेवा निवृत हो हुएं हैं।

समूह से जुड़कर अनिता ने बदली जिंदगी की तस्वीर, अब पशु सखी और बीमा सखी का कर रही कार्य

स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद बढ़ी आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक पहचान

जबलपुर (आरएनएस)। मेहनत, सीखने की ललक और कुछ नया करने का जज्बा हो तो परिस्थितियां सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकतीं। शहपुरा विकासखंड के ग्राम भमकी की

श्रीमती अनिता पटेल ने स्व-सहायता समूह से जुड़कर न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। आज वे पशुसखी, बीमा सखी जैसी गतिविधियों से जुड़कर प्रतिमाह करीब 15 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। अनिता प्रारंभ से ही शिक्षा के प्रति जागरूक रही हैं। उन्होंने 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद जबलपुर के आयुर्वेद कॉलेज से नर्सिंग का डिप्लोमा किया। उन्होंने गांव के मिडिल स्कूल में करीब सात माह तक अतिथि शिक्षक के रूप में कार्य किया।

व्यापार समाचार

भारत की रियल जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 27 में 7-7.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत की रियल जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 27 में 7-7.2 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। इसे मजबूत घरेलू खपत और सरकार के पूंजीगत खर्च से समर्थन मिलेगा। यह जानकारी ईवाई की रिपोर्ट में दी गई। इस दौरान भारत की नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 12.5-13 प्रतिशत के बीच रह सकती है। रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और कमजोर ग्लोबल ट्रेड माहौल के बावजूद भारत के विकास का आउटलुक काफी मजबूत बना हुआ है। उम्मीद है कि मजबूत घरेलू आर्थिक गतिविधियों और लगातार सरकारी खर्च से साल भर ग्रोथ को सपोर्ट मिलेगा।ईवाई के अनुसार, भारत में औद्योगिक गतिविधियों में भी मजबूती के संकेत दिखे हैं। जून 2026 में इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (आईआईपी) में ग्रोथ बढ़कर 7.3 प्रतिशत हो गई, जो 23 महीनों में सबसे ज्यादा है। नतीजतन, वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में औसत औद्योगिक वृद्धि बढ़कर 5.7 प्रतिशत हो गई, जो पिछले आठ तिमाही में सबसे ज्यादा है।

इस सुधार में मैन्युफैक्चरिंग का अहम योगदान रहा, जून में इसका आउटपुट 7.8 प्रतिशत बढ़ा। इसमें इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, मोटर वाहन, टेक्सटाइल और खाद्य उत्पाद भी बेहतर प्रदर्शन करने वाले सेक्टर में शामिल थे।हालांकि, कुछ हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर बताते हैं कि विस्तार की रफ्तार धीमी हो सकती है। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जून के 54.2 से घटकर जुलाई में 53.5 हो गया, जबकि सर्विसेज पीएमआई 57.4 से तेजी से गिरकर 53.3 पर आ गया। इस सुस्ती के बावजूद, दोनों इंडेक्स 50 के निशान से ऊपर बने रहे, जिससे पता चलता है कि आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं।

वित्त मंत्री सीतारमण ने भारत को वैश्विक विनिर्माण और नवाचार केंद्र के रूप में विकसित करने पर दिया जोर

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी 3एम से भारत में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी), उन्नत विनिर्माण और स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला विकास में निवेश बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से प्रौद्योगिकी, नवाचार और वैश्विक विनिर्माण के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है और वैश्विक कंपनियों के लिए यहां व्यापक अवसर उपलब्ध हैं।

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने यह बात अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना के एशविल में आयोजित जी-20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक के दौरान 3एम के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विलियम ब्राउन के साथ हुई बैठक में कही। यह मुलाकात बैठक के इतर आयोजित विभिन्न द्विपक्षीय कार्यक्रमों का हिस्सा थी।

दोनों पक्षों के बीच हुई चर्चा का मुख्य विषय भारत में 3एम की भागीदारी को और मजबूत बनाना था। बैठक में इस बात पर विचार किया गया कि भारत अब केवल एक बड़े उपभोक्ता बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्नत विनिर्माण, प्रौद्योगिकी विकास और नवाचार-आधारित उत्पादन का वैश्विक मंच बनता जा रहा है।

मंत्रालय ने बताया कि बैठक के दौरान डेटा सुरक्षा, तकनीकी विकास तथा भारतीय प्रतिभा को घरेलू औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में अधिक प्रभावी ढंग से शामिल करने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत के पास कुशल मानव संसाधन, मजबूत विनिर्माण क्षमता और तेजी से विकसित हो रहा औद्योगिक ढांचा है, जिसका लाभ उठाकर 3एम अपने अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रमों का विस्तार कर सकती है।निर्मला सीतारमण ने 3एम से स्थानीयकरण बढ़ाने, अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का विस्तार करने और नई प्रौद्योगिकियों के विकास में अधिक निवेश करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत में विकसित नवाचार केवल घरेलू बाजार की जरूरतों को पूरा करने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को भी मजबूत कर सकते हैं।उन्होंने कंपनी से उन्नत विनिर्माण क्षमताओं, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क और आरएंडडी केंद्रों में निवेश बढ़ाने की अपील की। वित्त मंत्री का कहना था कि भारत की बढ़ती औद्योगिक क्षमता और विशाल प्रतिभा आधार वैश्विक कंपनियों को दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान कर सकता है।वहीं 3एम के चेयरमैन एवं सीईओ विलियम ब्राउन ने भारत में उपलब्ध विशाल प्रतिभा संसाधन की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत में प्रौद्योगिकी विकास और स्थानीय बाजार दोनों के क्षेत्र में पर्याप्त अवसर मौजूद हैं। ब्राउन ने भारत सरकार द्वारा आर्थिक और संरचनात्मक सुधारों के माध्यम से उद्योगों को दिए जा रहे समर्थन की भी प्रशंसा की। वित्त मंत्री ने 3एम द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था में जताए गए विश्वास का स्वागत किया और कंपनी की भारत में मौजूदगी को और विस्तार देने के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार वैश्विक कंपनियों के लिए एक अनुकूल और प्रतिस्पर्धी कारोबारी वातावरण तैयार करने के लिए लगातार सुधारों पर काम कर रही है।

भारत ने अमेरिका और चीन के साथ आर्थिक साझेदारी में संतुलन बनाया

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत ने 2026 के दौरान अमेरिका और चीन दोनों के साथ अपनी आर्थिक साझेदारी में संतुलन बनाने में सफलता हासिल की है। भारत ने 2025 में वॉशिंगटन के साथ बढ़े टैरिफ विवाद का बातचीत के जरिए समाधान किया है और 2020 के सीमा संघर्षों के बाद पहली बार चीनी पूंजी पर लगाए गए प्रतिबंधों में नियंत्रित तरीके से ढील दी है। यह जानकारी एक आर्टिकल में दी गई।

आर्टिकल के मुताबिक, 2 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर बातचीत के दौरान भारतीय वस्तुओं पर पारस्परिक टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमति जताई। साथ ही, रूसी तेल की खरीद से जुड़ा अतिरिक्त 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क भी पूरी तरह हटा दिया गया।

दोनों सरकारों ने सार्वजनिक रूप से दोहराया है कि टैरिफ पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भारत के साथ हुए इस समझौते पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

इसके बाद अमेरिका ने अलग से धारा 301 के तहत 10 प्रतिशत की ड्यूटी भी लगाई है। हालांकि, भारत के करीब 45 प्रतिशत निर्यात इसके दायरे से बाहर हैं। वहीं, क्वार्ट्ज सरफेस उत्पादों पर सेफगार्ड टैरिफ बढ़कर 55 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

जियोपॉलिटिकल मॉनिटर में आलोक कुमार कनोजिया के लेख के अनुसार, कुल मिलाकर टैरिफ व्यवस्था एक साल पहले की तुलना में अब कम और अधिक पूर्वानुमान योग्य है।

दूसरी तरफ, 10 मार्च को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रेस नोट 3 में संशोधन किया। यह 2020 का वह नियम था, जिसके तहत भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले सभी निवेश को अनिवार्य सरकारी मंजूरी की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था। हालांकि, इस संशोधन से चीन से प्रत्यक्ष निवेश का रास्ता पूरी तरह नहीं खोला गया है।

सेमीकॉन 2.0 से आकर्षित हो सकता है 5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का निजी निवेश : उद्योग संगठन

नई दिल्ली (आरएनएस)। इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन एवं विनिर्माण (ईएसडीएम) उद्योग ने सरकार द्वारा 1.27 लाख करोड़ रुपए के परिव्यय वाली सेमीकॉन 2.0 योजना को अधिसूचित किए जाने का स्वागत किया है। इंडस्ट्री का कहना है कि यह योजना अगले पांच से सात

वर्षों में 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के संचयी निजी निवेश को आकर्षित करने की क्षमता रखती है और भारत के सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को नई मजबूती प्रदान करेगी। इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) ने कहा कि यह कार्यक्रम पहले से चल रहे सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम का विस्तार है और सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला के 6 प्रमुख स्तंभों को कवर करते हुए भारत की डिजाइन और विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईईएसए के अध्यक्ष अशोक चंदक ने कहा कि सेमीकॉन 2.0 की आधिकारिक अधिसूचना एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के तुरंत बाद योजना को अधिसूचित करने की सरकार की गति यह दर्शाती है कि सरकार नीति निरंतरता, प्रभावी क्रियान्वयन और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के प्रति गंभीर है। चंदक ने कहा कि सेमीकंडक्टर उद्योग में निवेश आमतौर पर 10 से 15 वर्षों के लंबे समय को ध्यान में रखकर किया जाता है। ऐसे में नीतिगत स्थिरता निवेशकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है। उनका मानना है कि इससे घरेलू और वैश्विक दोनों निवेशकों का भारत पर भरोसा और मजबूत होगा।

कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते घरेलू बाजार में बिकवाली का दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में 0.56 प्रतिशत तक की गिरावट

मुंबई (आरएनएस)। तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंकाओं के कारण जोखिम भावना कमजोर होने से हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में खुला। इस बीच सेंसेक्स और निफ्टी50 में 0.40 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 77,264.51 से 133.78 अंक यानी 0.17 प्रतिशत गिरकर 77,130.73 पर खुला। वहीं शुरुआती कारोबार में यह 367.58 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,896.93 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

वहीं, एनएसई निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 24,175.65 से मामूली 58.10 अंक यानी 0.24 प्रतिशत फिसलकर 24,117.55 पर खुला, हालांकि शुरुआती कारोबार में यह एक समय 137.25 अंक यानी 0.56 प्रतिशत गिरकर 24,038.40 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

हालांकि खबर लिखे जाने तक सुबह 9.30 बजे के आसपास सेंसेक्स करीब 311 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,942 के स्तर पर ट्रेड करते हुए नजर आया। वहीं निफ्टी 50 113.65 (0.47 प्रतिशत) फिसलकर 24,062 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया।

व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमशः 0.53 प्रतिशत और 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी मेटल, निफ्टी आईटी, निफ्टी सीमेंट और निफ्टी मीडिया का प्रदर्शन कमजोर रहा, जबकि निफ्टी बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक का प्रदर्शन बेहतर रहा।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने बताया कि पिछले कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार को निफ्टी 50 में दो सत्रों की गिरावट के बाद 0.35 प्रतिशत की रिकवरी जरूर देखने को मिली थी, लेकिन यह तेजी सीमित दायरे में रही। सूचकांक अभी भी 23,606 से 24,774 तक की तेजी के 50 प्रतिशत फिबोनाची रिट्रेसमेंट स्तर और अपने प्रमुख मूविंग एवरेज से नीचे बना हुआ है। ऐसे में बाजार की व्यापक तकनीकी तस्वीर अभी भी सतर्कता का संकेत दे रही है। निफ्टी के लिए 24,000 का स्तर सबसे महत्वपूर्ण और निकटतम सपोर्ट माना जा रहा है, जबकि इसके नीचे 23,800 का स्तर अगला प्रमुख सपोर्ट है। दूसरी ओर, 24,300 से 24,400 के बीच का क्षेत्र तत्काल प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। यदि निफ्टी 24,400 के ऊपर टिकाऊ बढ़त दर्ज करता है, तभी तकनीकी स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा और सूचकांक 24,800 की ओर बढ़ सकता है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

कोई जादुई छड़ी मौजूद नहीं

अमेरिका के खिलाफ चीन से सहयोग करने का दोष भारत पर भी लगाया गया है। इसके अलावा जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, और मेक्सिको जैसे देशों पर भी ऐसी ही तोहमत मढ़ी गई है।

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन को अपनी जमीन से कटी नीतियों में कोई खोट नज़र नहीं आता! इसलिए उसके अधिकारी अपनी हर नाकामी का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की कोशिश करने लगते हैं! उनकी सोच ऐसी है कि जैसे सारी दुनिया के अमेरिका के लिए है, इसलिए तमाम देशों को उसके हित में काम करना चाहिए! इसका ताजा उदाहरण ह्वाइट हाउस की रिपोर्ट है, जिसमें चीन के खिलाफ व्यापार युद्ध में अमेरिका की नाकामी का दोष अमेरिका के करीबी सहयोगियों समेत 40 से ज्यादा देशों पर मढ़ा गया है। जिनको अमेरिका के खिलाफ चीन से सहयोग करने का दोषी बताया गया है, उनमें भारत भी है।इसके अलावा जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, और मेक्सिको जैसे देशों पर भी चीन से सहयोग करने की तोहमत मढ़ी गई है। ह्वाइट हाउस के मुताबिक इन देशों ने अरबों डॉलर के टैरिफ से बचने में चीनी कंपनियों को मदद की। ये देश ट्रांसशिपिंग में मददगार बने। यानी चीनी कंपनियों ने उन देशों को अपने उत्पाद भेजे, जिन पर अमेरिका ने कम टैरिफ लगाए हैं। फिर वहां से उन वस्तुओं को अमेरिका निर्यात किया गया। मगर ये इल्जाम भूमंडलीकरण के दौर में खुद अमेरिकी पहल पर दुनिया में बनी आपूर्ति शृंखला का स्वाभाविक परिणाम है। इन शृंखलाओं के तहत अधिकांश अंतिम उत्पाद विभिन्न देशों में बने पाट-पुर्जों पर निर्भर हैं।चूंकि इस दौर में चीन ने खुद को 'दुनिया के कारखाने' के रूप में विकसित किया, तो लाजिमी है कि उस पर सबसे ज्यादा निर्भरता है। चीनी अर्थव्यवस्था के खास स्वरूप के कारण वहां बनी चीजें सस्ती पड़ती हैं, इसलिए भी अन्य देशों की कंपनियों के लिए वहां से आयात रोकना घाटे का सौदा बन जाता है। यही वजह है कि चीन के खिलाफ 2018 से शुरू अमेरिकी व्यापार युद्ध का ज्यादा असर नहीं हुआ है। चीन का निर्यात बढ़ता गया है। अमेरिका में भी अन्य स्रोतों से चीनी वस्तुओं का पहुंचना जारी है, जिसको लेकर ट्रंप प्रशासन के असंतोष का इजहार अब हुआ है। सबक यह है कि विश्व व्यापार की दिशा बदलने की कोई जादुई छड़ी मौजूद नहीं है, जिस बात को ट्रंप नहीं समझ पा रहे हैं।

'एक देश, एक चुनाव' की चर्चा तेज

अजीत द्विवेदी

अचानक 'एक देश, एक चुनाव' की चर्चा तेज हो गई है। संसद की संयुक्त समिति यानी जेपीसी के अध्यक्ष पीपी चौधरी अचानक सक्रिय हो गए हैं और कहा जाने लगा है कि 2029 में ही पूरे देश के चुनाव एक साथ हो सकते हैं। मीडिया में इस पर बहसें होने लगी हैं। अचानक आई इस तेजी से दो सवाल उठते हैं। पहला तो यह कि सरकार अभी तक परिसीमन और महिला आरक्षण के प्रयास में लगी है तो फिर 'एक देश, एक चुनाव' की चर्चा क्यों शुरू हुई और दूसरा सवाल यह कि अगर महिला आरक्षण कानून को सरकार संशोधित नहीं करा पा रही है तो पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए लाए गए संविधान के 129वें संशोधन विधेयक को कैसे पास कराएगी? ध्यान रहे जिस तरह नारी शक्ति वंदन कानून में बदलाव के लिए लाए गए 131वें संशोधन विधेयक को पास कराने के लिए दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत की जरुरत है वैसे ही 129वें संशोधन के लिए भी दो तिहाई बहुमत चाहिए, जो सरकार के पास नहीं है।

अगर सरकार 129वें संशोधन को पास नहीं करा पाती है तो 2029 में 'एक देश, एक चुनाव' संभव नहीं है। इसके बावजूद अगर भाजपा चाहे तो बहुत से राज्यों के चुनाव लोकसभा के साथ करा सकती है। इसके लिए उसे अपने शासन वाले राज्यों की सरकारों से संबंधित राज्य की विधानसभा को समय से पहले भंग कराना होगा। अगर भाजपा ऐसा करती है तो कांग्रेस या दूसरी पार्टियों के शासन वाले राज्यों पर भी दबाव बनेगा कि वे इस अभियान में शामिल हों। इसके लिए भाजपा को अगले साल होने वाले चुनावों से ही तैयारी शुरू करानी होगी। हालांकि यह तय माना जा रहा है कि विपक्षी पार्टियां एक साथ चुनाव के लिए तैयार नहीं होंगी। कांग्रेस के पी चिदंबरम ने केंद्र सरकार के इस प्रयास को असंवैधानिक बताया है तो जेपीसी में शामिल तृणमूल कांग्रेस की सागरिका घोष ने भी इसका विरोध किया है। दोनों ने समिति के सामने अपनी पार्टी की राय स्पष्ट रूप से रख दी है।

इसलिए केंद्र सरकार और भाजपा के पास यह रास्ता बचता है कि वह अपने शासन वाले राज्यों की विधानसभा समय से पहले भंग कराए और एक साथ चुनाव करा कर एक मिसाल बनाए। वैसे लोकसभा के साथ चार राज्यों के चुनाव स्वत: होते हैं। आंध्र प्रदेश, ओडिशा,

अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के चुनाव लोकसभा के साथ में होते हैं। इनके अलावा तीन अन्य राज्यों के चुनाव उसी साल के अंत में होते हैं। इनमें से दो राज्यों महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा की सरकार है, जबकि झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार है। चुनाव आयोग चाहे तो इन तीनों राज्यों का चुनाव मई में लोकसभा के साथ करा सकता है। इस तरह लोकसभा और सात राज्यों में एक साथ चुनाव कराए जा सकते हैं।

अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के आइडिया को लेकर गंभीर हुए, अभी तक वह गंभीरता नहीं दिखी है, तो 2030 और 2031 में जिन भाजपा शासित राज्यों में चुनाव होने हैं, वहां की विधानसभा भंग करा सकते हैं। 2030 में दो राज्यों दिल्ली और बिहार का चुनाव है, जहां भाजपा की सरकार है। 2031 में पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के चुनाव होंगे। इनमें से तीन राज्यों में भाजपा की सरकार है। अगर भाजपा चाहे तो तीनों राज्यों में समय से पहले चुनाव करा सकती है। अगर 2030 और 2031 के पांच राज्यों के चुनाव समय से पहले होते हैं तो लोकसभा के साथ 12 राज्यों के चुनाव हो सकते हैं।

अगले साल यानी 2027 में सात राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें पंजाब और हिमाचल छोड़ कर बाकी पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर और गुजरात में भाजपा की सरकार है। उसके अगले साल यानी 2028 में पांच बड़े राज्यों के चुनाव हैं, जिनमें कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस सत्ता में है, जबकि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है। इनके अलावा पूर्वोत्तर के चार राज्यों मेघालय, त्रिपुरा, नगालैंड और मिजोरम के चुनाव भी 2028 में हैं। 2027 के चुनावों को तो 2029 तक स्थगित नहीं किया जा सकता है। लेकिन क्या 2028 के चुनावों के 2029 के लिए स्थगित किया जा सकता है? विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाने के लिए कानून बनाने की जरुरत होगी, जो संभव नहीं दिख रहा है। दूसरा रास्ता राष्ट्रपति शासन लगाने का है। लेकिन यह काम विपक्षी पार्टियों की सहमति के बगैर संभव नहीं है। कांग्रेस इस बात के लिए तैयार नहीं होगी कि कम से कम उसके शासन वाले राज्यों में राष्ट्रपति शासन में चुनाव हो।

भाजपा शासित राज्यों में भी राष्ट्रपति शासन लगा कर चुनाव टालना एक संवैधानिक मामला बनेगा, जिसे अदालत में चुनौती दी जा सकती है। लेकिन अगर राजनीतिक सहमति बने तो 2028 के नौ चुनाव भी 2029 में कराए जा सकते हैं। इस तरह लोकसभा और कम से कम 21 राज्यों के चुनाव एक साथ हो जाएंगे।परंतु यह पूरा हिसाब किताब दूर की कौड़ी लग रहा है। संसद से कानून बनाए बगैर और संविधान के प्रावधानों को बदले बगैर 'एक देश, एक चुनाव' मुमकिन नहीं दिख रहा है। अगर सरकार दो तिहाई बहुमत जुटा लेती है या विपक्ष को तैयार कर लेती है तभी कानून पास होगा और तब 2028 के चुनाव टाल कर और 2032 तक के चुनाव पहले करा कर 2029 में एक साथ सारे चुनाव कराए जा सकते हैं। अन्यथा इसे 2034 के लिए छोड़ना पड़ेगा। हालांकि इस पूरी कवायद का कोई खास अर्थ नहीं है और न इसकी कोई जरुरत है। न तो एक साथ चुनाव कराने से कोई बहुत ज्यादा पैसे की बचत होनी है और न बार बार चुनाव होने से कोई कामकाज प्रभावित होता है। पैसे की बचत और कामकाज प्रभावित होने का तर्क पूरी तरह से बेकार है। उलटे हर साल कहीं न कहीं चुनाव होने से सरकारें जवाबदेह बनती हैं। अमेरिका में हर साल चुनाव होते हैं और इस वजह से सरकारें जनता के प्रति ज्यादा जवाबदेह रहती हैं।

एक छोटा सा गाँव ढड़ारी का किसान दूसरों के लिए प्रेरणा बना

संदीप कुलश्रेष्ठ

किस प्रकार एक व्यक्ति अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बूते अपनी किस्मत बदल सकता है, यह साबित कर दिखाया है मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के एक छोटे से गाँव ढड़ारी के किसान घसीटा अहिरवार ने। इस किसान ने मात्र 100 ग्राम सूरजमुखी के बीज से अपनी किस्मत बदल डाली। उसने एक छोटे से प्रयोग से न केवल अपनी खेती की तस्वीर बदल डाली, बल्कि अपने आसपास के गाँवों के किसानों के लिए भी प्रेरणा बन गए। आज उनके खेत में एक हजार से भी ज्यादा सूरजमुखी के पौधे लहलहा रहे हैं। यही नहीं यह परिवार अपने घर के उपयोग का खाद्य तेल भी खुद ही तैयार कर रहा है। दूसरे के लिए प्रेरणा बन गए किसान घसीटा अहिरवार पहले अपने खेत में गेंहू, ज्वार, चना, मटर, उड़द आदि पारंपरिक फसलें ही उगाते थे, करीब 2 साल पहले उन्हें उड़द की फसल के बीच एक सूरजमुखी का पौधा दिखाई दिया। पहले तो उन्हें यह सामान्य दिखा, लेकिन बाद में जब उस पौधे पर बड़े आकार के फूल और भरपूर बीज आए तो उसके प्रति उनके मन में आकर्षण जागा। उन्होंने उस पौधे में से बीज निकाले और उसे सुरक्षित रख लिया। अगले सीजन में प्रयोग के बतौर अपने खेत में वे बीज बो दिए। करीब 100 ग्राम बीज ही थे वे। उनकी मेहनत और देखभाल के कारण आज उनका प्रयोग अत्यन्त सफल होकर एक हजार से अधिक पौधो तक पहुंच गया है। उनके खेत में दूर से ही 5 से 8 फीट तक ऊँचे सूरजमुखी पौधे दिखाई देने लगते है। आज उनकी यही खेती उन्हें अच्छा लाभ भी दे रही है।

कृषि विभाग की सलाह ने की उनकी राह आसान –

शुरूआत में किसान को सूरजमुखी खेती की पूरी जानकारी नहीं थी, किन्तु जब उन्हें कृषि विभाग द्वारा इसकी जानकारी मिली और उन्होंने एक कार्यक्रम में भाग लिया तो उन्हें सूरजमुखी की खेती के बारे में पूरी जानकारी मिल गई। कृषि विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस काम में उनकी पूरी मदद की। कृषि विभाग से जानकारी लेने के बाद फिर उन्होंने पूरे वैज्ञानिक तरीके से फसल ली और आज वे अपनी मेहनत के बल पर अच्छी कमाई भी कर रहे है।

समान नागरिक संहिता : समानता और विविधता के बीच संतुलन

अवनीश कुमार गुप्ता

कानून किसी समाज की केवल प्रशासनिक आवश्यकता नहीं होता, बल्कि वह उसकी सामाजिक चेतना, न्याय-बोध और बदलती परिस्थितियों का दर्पण भी होता है। मानव सभ्यता के आरंभिक दौर में विवाह, परिवार, संपत्ति और उत्तराधिकार जैसे विषय मुख्यत: परंपराओं, धार्मिक मान्यताओं और स्थानीय रीति-रिवाजों से संचालित होते थे। जैसे-जैसे राज्य संगठित हुए और नागरिक जीवन जटिल होता गया, इन बिखरे नियमों को लिखित और व्यवस्थित रूप देने की आवश्यकता महसूस हुई। नागरिक संहिताओं का विकास इसी दीर्घ यात्रा का परिणाम है।प्राचीन विधि-व्यवस्थाओं से लेकर रोमन विधि और यूरोपीय संहिताकरण तक कानून निरंतर बदलता रहा। 1804 की नेपोलियन संहिता इस यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव बनी। उसने अनेक स्थानीय और परंपरागत नियमों को एक संगठित नागरिक विधि में पिरोने का प्रयास किया। इससे दुनिया के अनेक हिस्सों में संहिताबद्ध कानून की अवधारणा को बल मिला। हालांकि इतिहास यह भी बताता है कि कोई संहिता अपने समय की सामाजिक सीमाओं से पूरी तरह मुक्त नहीं होती। इसलिए कानून बन जाना अंतिम मंजिल नहीं; बदलती सामाजिक आवश्यकताओं के अनुसार उसका पुनर्मूल्यांकन भी उतना ही जरूरी है।भारत की विधिक यात्रा अपनी विविध सामाजिक संरचना के कारण अधिक जटिल रही है। यहां अनेक धर्मों, भाषाओं, समुदायों और परंपराओं का सहअस्तित्व रहा है। विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और परिवार जैसे विषय लंबे समय तक अलग-अलग व्यक्तिगत विधियों से प्रभावित रहे। स्वतंत्रता के बाद संविधान निर्माताओं के सामने चुनौती थी कि नागरिकों को समानता और समान अधिकार दिए जाएं, लेकिन साथ ही देश की धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता का सम्मान भी बना रहे।भारतीय संविधान का अनुच्छेद 44 इसी विमर्श का महत्वपूर्ण आधार है। इसमें राज्य से नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास करने की अपेक्षा की गई है। दूसरी ओर संविधान समानता, गरिमा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और धार्मिक स्वतंत्रता को भी महत्वपूर्ण स्थान देता है। इसलिए समान नागरिक संहिता केवल कानून

बनाने का प्रश्न नहीं है; यह विभिन्न संवैधानिक मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित करने की चुनौती भी है। स्वतंत्र भारत में व्यक्तिगत कानूनों में सुधार की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी थी। विवाह, उत्तराधिकार और परिवार से जुड़े अनेक कानूनों में परिवर्तन किए गए। इन सुधारों ने यह सिद्ध किया कि परंपरा और कानून स्थायी रूप से एक-दूसरे से बंधे नहीं होते। समाज में जब समानता और न्याय की नई अपेक्षाएं पैदा होती हैं, तो कानून को भी उनका उत्तर देना पड़ता है। इसी क्रम में महिलाओं के अधिकार, विवाह में समानता, तलाक, भरण-पोषण और उत्तराधिकार जैसे विषय व्यापक विधिक विमर्श का हिस्सा बने। समान नागरिक संहिता के पक्ष में सबसे प्रमुख तर्क विधिक समानता और लैंगिक न्याय का है। विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और भरण-पोषण जैसे मामलों में नागरिकों के अधिकार केवल धार्मिक पहचान के आधार पर अलग क्यों हों—यह प्रश्न स्वाभाविक है। विशेष रूप से महिलाओं के संदर्भ में यह प्रश्न अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। यदि समान परिस्थितियों में किसी महिला के अधिकार केवल अलग व्यक्तिगत विधि के कारण बदल जाते हैं, तो संवैधानिक समानता की कसौटी पर उस व्यवस्था की समीक्षा आवश्यक हो जाती है।लेकिन समानता का अर्थ हर स्थिति में एकरूपता नहीं है। भारत की सामाजिक संरचना अत्यंत विविध है। अनेक आदिवासी और स्थानीय समुदायों की अपनी पारिवारिक तथा उत्तराधिकार परंपराएं हैं। इसलिए समान नागरिक संहिता बनाते समय यह सावधानी जरूरी है कि समानता के नाम पर सांस्कृतिक विविधता को अनावश्यक रूप से समाप्त न किया जाए। जो अंतर सामाजिक विविधता को व्यक्त करते हैं और जो अंतर किसी नागरिक को असमान अधिकार देते हैं, दोनों को एक ही दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। यहीं इस विमर्श की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी सामने आती है—समान कानून का लक्ष्य केवल समान नियम नहीं, बल्कि समान न्याय होना चाहिए। कानून को यह देखना होगा कि नागरिक की गरिमा, स्वतंत्रता और अधिकार सुरक्षित रहें। कोई परंपरा केवल इसलिए न्यायपूर्ण नहीं हो जाती कि वह पुरानी है; उसी तरह कोई नया नियम केवल इसलिए उचित नहीं हो जाता कि वह आधुनिक दिखाई देता है। कानून की असली परीक्षा उसके प्रभाव में होती है।भारत में गोवा की नागरिक विधि लंबे समय से समान नागरिक व्यवस्था की चर्चा का उदाहरण रही है। हाल के वर्षों में उत्तराखंड ने समान नागरिक संहिता को विधायी रूप देकर इस विमर्श को व्यावहारिक धरातल प्रदान किया। इससे बहस केवल सैद्धांतिक नहीं रही। अब यह देखने का अवसर है कि विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और अन्य नागरिक मामलों को समान नियमों में लाने से प्रशासन, समाज और नागरिक अधिकारों पर वास्तविक प्रभाव क्या पड़ता है।किसी भी नागरिक संहिता की वास्तविक परीक्षा उसके लागू होने के बाद शुरू होती है। कानून की धाराएं बनाना अपेक्षाकृत सरल हो सकता है, लेकिन उन्हें समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचाना कठिन कार्य है। ग्रामीण क्षेत्रों में कानूनी जागरूकता, दस्तावेजों की उपलब्धता, पंजीकरण की सरल प्रक्रिया, अधिकारियों का प्रशिक्षण, न्यायालयों की क्षमता और आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को विधिक सहायता जैसे प्रश्न निर्णायक होंगे। कानून समान हो, लेकिन उसे समझने और लागू कराने की प्रक्रिया कठिन हो, तो समानता का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा।डिजिटल युग में निजता का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। विवाह, परिवार, उत्तराधिकार और निजी संबंधों से जुड़ी सूचनाएं अत्यंत संवेदनशील होती हैं।

मेष राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। ऑफिस में आज किसी बड़े काम की जिम्मेदारी आपके कंधों पर आ सकती है। आज सामने आई सभी चुनौतियों का डटकर मुकाबला करेंगे तो सफलता भी हाथ लगेगी। इस राशि के लोग आज जीवनसाथी के साथ मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं।

वृष राशि: आज का दिन बेहतर होगा। व्यापार को बढ़ाने से धन लाभ में काफी इजाफा होगा। किसी काम को करने में आज जल्दबाजी करने से बचें। किसी जरूरी काम के पूरा होने पर बधाइयां देने के लिए लोगों का आवागमन लगा रहेगा। आज किसी पुराने मित्र से मिलने उसके घर जा सकते हैं, जो आपकी निजी समस्याओं को दूर करने में मदद कर सकता है।

मिथुन राशि: आज जिस काम को पूरा करना चाहेंगे वह आसानी से पूरा हो जाएगा। शाम तक घरेलू सामान खरीदने के लिए मार्केट भी जा सकते हैं। जाते समय जेब में थोड़े ज्यादा पैसे लेकर जाएं क्योंकि आज खर्च बढ़ सकता है।

कर्क राशि: आज तकदीर आपके साथ रहेगी। जिस काम को कई दिनों से पूरा करने की सोच रहे हैं वह आज किसी दोस्त की मदद से पूरा हो जाएगा। आज किसी दूसरे के मामले में राय देने से बचें।

सिंह राशि: आज का दिन अच्छा रहने वाला है। बिजनेस में रोज की अपेक्षा ज्यादा फायदा होने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों को इंक्रीमेंट मिलेगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन काफी बढ़िया रहेगा। पढ़ाई-लिखाई में मन लगेगा साथ ही किसी इंटरव्यू में जा रहे हैं तो पूरे आत्मविश्वास के साथ बात करें, सफलता जरूर मिलेगी।

कन्या राशि: आज का दिन बेस्ट है। कई दिनों से आपकी तरक्की में आ रही रुकावटें आज दूर हो जाएंगी। इस राशि के बिल्डर्स को आज धन लाभ होगा साथ ही नया कॉन्ट्रैक्ट भी मिल सकता है। कारोबारियों को लाभ मिल सकता है।

तुला राशि: आज आपकी अंदरूनी ताकत कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी। आज उन लोगों से सावधान रहें जो आपको गलत राह पर ले जाने की सोचते हैं। बढ़ी हुई ऊर्जा के साथ आप कोई कार्य करेंगे तो कम समय में पूरा हो जाएगा।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज प्रॉपर्टी में निवेश करने के लिए दिन शुभ है। आज धार्मिक कार्यों में जीवनसाथी के साथ जाने का मन बनाएंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है। ऑफिस में आज किसी बात को लेकर बॉस आपसे मीटिंग करेंगे। आज ज्यादा क्रोध करने से आपका काम बिगड़ सकता है।

धनु राशि: आज का दिन सामान्य रहेगा। आज वैवाहिक जीवन में नई-नई खुशियां आएंगी। आज किसी अन्य पर भरोसा न करें। बिजनेस में साझेदारी सोच-समझकर ही करें साथ ही नई योजनाओं को लागू करने से लाभ होगा। कलात्मक कार्यों में आज आपकी रुचि बढ़ेगी।

मकर राशि: आज ऑफिस में आपका कॉन्फिडेंस देखकर बॉस आपसे खुश हो जाएंगे। अगर आज नए काम को शुरू करेंगे तो आगे चलकर आपको काफी फायदा होगा। नवविवाहित दंपत्ति आज जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

कुंभ राशि: आज का दिन अच्छा रहेगा। इस राशि के ट्रेवल्स एजेंसी वाले लोगों को आज उम्मीद से अधिक लाभ होने वाला है। अचानक कहीं धन लाभ होने के योग बने हुए हैं। आज किसी करीबी से फोन पर बात हो सकती है।

मीन राशि:इस राशि के प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। आज व्यापार में आर्थिक लाभ की संभावना बनी हुई है। आज आपका मन किसी पुराने मित्र से मिलने का करेगा, हो सकता है आज किसी ऐसे मित्र से फोन पर बात हो जिससे पुरानी यादें ताजा हो जाएंगी।

विविधता से एकात्मता की ओर : 'एक विश्व, एक मानवता' का संदेश

लेखकप्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश,

आज विश्व के तमाम देश धार्मिक पहचान, नस्ली अस्मिता, अतिराष्ट्रवाद, युद्ध, सांस्कृतिक टकराव, धार्मिक असहिष्णुता, सामाजिक ध्रुवीकरण और बढ़ती वैचारिक दूरियों जैसी अनेक चुनौतियों से गुजर रहे है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। विज्ञान, परिवहन और संचार प्रौद्योगिकी ने भौगोलिक दूरियां कम जरूर की हैं, लेकिन अनेक मामलों में मनुष्यों के बीच वैचारिक और भावनात्मक दूरियां बढ़ी हैं। ऐसे समय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का 29 अगस्त 2026 को न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' में दिया गया संबोधन विशेष आकर्षण बना हुआ है।

डॉ. भागवत के संबोधन का केंद्रीय विचार भारत की उस सभ्यतागत दृष्टि से जुड़ा था, जिसमें विविधता को एकता के विरोधी के रूप में नहीं, बल्कि उसकी स्वाभाविक अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए 'विविधता में एकता' केवल एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि भारतीय समाज के डीएनए में रची-बसी है। उन्होंने अमेरिका में प्रचलित 'बहुलतावाद' की अवधारणा की तुलना भारत की 'विविधता में एकता' की दृष्टि से करते हुए कहा कि विविधता को समाप्त करने के बजाय उसे स्वीकार, सम्मान और संरक्षित किया जाना चाहिए।यह विचार भारतीय चिंतन की उस परंपरा से भी जुड़ता है, जिसमें सत्य की अनेक अभिव्यक्तियों को स्वीकार करने की प्रवृत्ति दिखाई देती है। ऋग्वेद का प्रसिद्ध वचन 'एकं सद्विप्रा बहुधा वदन्ति' और महोपनिषद् का 'वसुधैव कुटुम्बकम्' इसी व्यापक दृष्टि के महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। इन प्राचीन सूत्रों को आधुनिक लोकतंत्र, बहुलतावाद या मानवाधिकारों का सीधा पर्याय मानना उचित नहीं होगा, लेकिन वे भारतीय दार्शनिक परंपरा में सह-अस्तित्व, व्यापकता और मानवीय एकात्मता की गहरी भावना को अवश्य व्यक्त करते हैं।भारतीय दृष्टि में एकता का अर्थ एकरूपता नहीं है। वास्तविक एकता तभी संभव है, जब अलग-अलग धर्म, भाषा, संस्कृति और जीवन-पद्धति से जुड़े लोग समान मानवीय गरिमा तथा पारस्परिक सम्मान के साथ रह सकें। यही कारण है कि भारतीयता को किसी एक धार्मिक या सांस्कृतिक पहचान तक सीमित कर देना भारत की बहुस्तरीय ऐतिहासिक और सामाजिक संरचना को अत्यधिक सरल बना देगा।धार्मिक विविधता के प्रश्न पर भी यही कसौटी लागू होती है। भारत की सामाजिक संरचना सदियों से अनेक धर्मों, संप्रदायों, भाषाओं, जातीय समूहों, क्षेत्रों और परंपराओं के सह-अस्तित्व से निर्मित हुई है। इसलिए विविधता का सम्मान केवल सहिष्णुता तक सीमित नहीं होना चाहिए; उसका आधार समान नागरिक गरिमा, कानून के समक्ष समानता, धार्मिक स्वतंत्रता और पारस्परिक उत्तरदायित्व होना चाहिए।यहां भारतीय संविधान का संदर्भ स्वाभाविक रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। संविधान की प्रस्तावना न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता को भारतीय गणराज्य के मूल आदर्शों के रूप में स्थापित करती है। अत: विविधता के प्रति सम्मान केवल किसी संगठन या विचारधारा की अपेक्षा नहीं, बल्कि भारत की संवैधानिक व्यवस्था की भी मूल प्रतिबद्धता है।

भारतीय परंपरा में 'धर्म' का अर्थ केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि कर्तव्य, आचरण, मर्यादा और उत्तरदायित्व से भी जुड़ा रहा है। इस व्यापक अर्थ को समझना आज सभी धर्मावलंबियों के लिए जरूरी है।न्यूयॉर्क प्रवास के दौरान डॉ. भागवत ने न्यूयॉर्क स्थित इस्कॉन के ऐतिहासिक केंद्र का भी दौरा किया और सेवा-कार्य में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज दुनिया अनेक संघर्षों और द्वंद्वों से गुजर रही है और लोगों को जोड़ने वाली चेतना ही शांति का आधार बन सकती है; उन्होंने इसे 'कृष्ण चेतना' से जोड़ा। प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए डॉ. भागवत ने एक महत्वपूर्ण बात कही,जिस देश में भारतीय मूल के लोग रहते हैं, वह उनकी 'कर्मभूमि' है और वहां के प्रति उनकी जिम्मेदारी सर्वोपरि है। उन्होंने अमेरिका में रहने वाले भारतीयों से अमेरिकी समाज और देश के प्रति निष्ठापूर्वक अपने दायित्व निभाने का आग्रह किया, साथ ही अपनी 'जन्मभूमि' भारत से प्राप्त मूल्यों को बनाए रखने की बात कही। यह संदेश प्रवासी भारतीयों को दो पहचानों के बीच संघर्ष में खड़ा करने के बजाय, अपनी सांस्कृतिक जड़ों को संजोते हुए जिस देश में वे रहते हैं, उसके संविधान ,नियम-कानून के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा देता है। डॉ. भागवत ने सामाजिक परिवर्तन में राजनीति की सीमाओं और समाज की भूमिका पर भी बल दिया। शिक्षा, संवाद, सेवा और सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन को स्थायी परिवर्तन का आधार माना जा सकता है। सामाजिक समरसता केवल कानून या सत्ता के माध्यम से निर्मित नहीं होती; इसके लिए समाज की मानसिकता, पारस्परिक व्यवहार और सार्वजनिक जीवन में दूसरे के प्रति सम्मान की आवश्यकता होती है।आज जब दुनिया युद्ध, विस्थापन, धार्मिक संघर्ष, आर्थिक असमानता और जलवायु संकट जैसी साझा चुनौतियों का सामना कर रही है, तब 'एक विश्व, एक मानवता' का विचार निश्चित रूप से प्रासंगिक है। लेकिन किसी भी वैश्विक आदर्श की सार्थकता उसके नारों से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार में उतरने से सिद्ध होती है। परिवार, शिक्षा मंदिर, कार्यस्थल और सार्वजनिक जीवन में दूसरे व्यक्ति की पहचान, आस्था, विचार और गरिमा का सम्मान ही इस विचार की वास्तविक परीक्षा है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

मंगलवार, 01 सितम्बर 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

बिहार के पश्चिम चंपारण में बाढ़ का कहर, 3 किमी तक कमर भर पानी में चलने को मजबूर ग्रामीण

चंपारण (आरएनएस)। नेपाल में सैलाब के बाद इंडो-नेपाल सीमा पर स्थित वाल्मीकिनगर गंडक बैराज से रविवार को 1 लाख 80 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद गंडक नदी उफान पर है। नदी के जलस्तर बढ़ते ही निचले और दियारा इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। सबसे पहले चकदहवा झंडू टोला, बीन टोली और कान्हा टोला में बाढ़ का पानी प्रवेश करता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, लगभग तीन महीने तक उन्हें कमर भर पानी में आने-जाने को मजबूर होना पड़ता है। बाढ़ के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि हर साल बारिश के मौसम में यही स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। सड़कें टूटी हुई हैं, बिजली की सुविधा नहीं है और बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है, वहीं बीमार लोगों को अस्पताल ले जाने में भारी परेशानी हो रही है।

एक स्थानीय निवासी ने कहा, बहुत बुरा हाल है। लोगों को आने-जाने के लिए 3 किलोमीटर तक पानी में से होकर गुजरना पड़ता है। कोई सड़क नहीं है। हमारा हाल बहुत बुरा है। न तो सरकार और न ही प्रशासन कोई कार्रवाई कर रहा है। सब बस आते हैं, देखते हैं और चले जाते हैं।

एक अन्य ग्रामीण ने बताया, जब भी बरसात आती है, ऐसे ही हो जाता है। ना बिजली की सुविधा है, ना रास्ता अच्छा है। बहुत परेशानी है। कमर से ऊपर तक पानी है। हर कोई आता है, तो देखकर चला जाता है। यहां की स्थिति में कोई सुधार नहीं है। हम लोगों को बहुत समस्या हो रही है।

ग्रामीणों ने सरकार से मांग की है कि बाढ के कारण बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। सड़क, बिजली और बाढ़ से बचाव के लिए स्थायी इंतजाम किए जाएं, ताकि हर साल उन्हें इस तरह की परेशानी न झेलनी पड़े।

हापुड़ में भीषण हादसाः गंगा एक्सप्रेसवे पर थार पलटने से चार युवकों की मौत

हापुड़,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में भीषण सड़क हादसा हो गया। गंगा एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार थार अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे चार युवकों की मौत हो गई। वहीं, एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायल को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार हादसा रविवार और सोमवार की मध्य रात्रि थाना सिंभावली क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेस-वे पर हुआ। बदायूं से दिल्ली की तरफ जा रही तेज रफ्तार थार अचानक पलट गई। थार में पांच लोग सवार थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पांचों घायल युवकों को सिखेड़ा सीएचसी में भर्ती कराया गया। यहां डॉक्टर ने चार युवकों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान बदायूं निवासी जोगिंदर, सुखबीर, जसवंत और रवि के रूप में हुई है। वहीं, 17 वर्षीय किशोर का इलाज चल रहा है। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया है। पुलिस ने दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुई गाड़ी को गंगा एक्सप्रेस-वे से हटाकर यातायात बहाल करा दिया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, थार की रफ्तार 100 से 120 किलोमीटर प्रति घंटा रही होगी। अचानक वाहन डगमगाया और देखते ही देखते बेकाबू होकर पलट गया। थार करीब 5-6 बार पलटते हुए सड़क किनारे जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार युवक अंदर ही फंस गए।

वहीं, ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे पर रविवार रात एक दर्दनाक और भीषण सड़क हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई। हादसा जेवर थाना क्षेत्र में हुआ, जहां नोएडा से आगरा की ओर जा रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर और रेलिंग को तोड़ते हुए दूसरी तरफ पहुंच गया और वहां जा रही एक कार से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार में सवार चारों लोगों की मौत हो गई।

प्रयागराज-कौशाम्बी बॉर्डर पर पटाखा फैक्ट्री में भीषण धमाका, 5 की मौत; 13 मजदूरों के फंसे होने की खबर

प्रयागराज,(आरएनएस)। प्रयागराज-कौशाम्बी सीमा पर सोमवार दोपहर पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट से इलाके में हड़कंप मच गया। कौशाम्बी के पिपरी थाना क्षेत्र स्थित मनौरी बाजार में करीब दोपहर 12 बजे अचानक फैक्ट्री में आग लग गई। इसके बाद वहां रखे पटाखों में लगातार धमाके होने लगे।

विस्फोट इतना जबरदस्त था कि फैक्ट्री की पूरी इमारत भरभराकर जमींदोज हो गई। धमाके की आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी, जबकि आसमान में धुएं का बड़ा गुबार नजर आया। विस्फोट की चपेट में आसपास के करीब 5 से 7 मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक हादसे के समय फैक्ट्री में करीब 20 मजदूर काम कर रहे थे। हादसे में अब तक 5 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 8 लोग घायल बताए जा रहे हैं। वहीं करीब 13 लोगों के मलबे के अंदर फंसे होने की सूचना है। धमाके के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने फैक्ट्री के अंदर से घायलों को बाहर निकाला। कई घायलों को लोग चारपाई पर लादकर खेतों के रास्ते अस्पताल ले जाते दिखाई दिए। हादसे की भयावह तस्वीरों ने लोगों को झकझोर दिया है।

1,338 पंच सम्मेलनों से गांवों में विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम को लेकर बढ़ी जागरुकता

नई दिल्ली, (आरएनएस)। विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025 के प्रभावी क्रियान्वयन और पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों एवं कार्मिकों के व्यापक अभिमुखीकरण के लिए देशभर में आयोजित जिला स्तरीय पंच सम्मेलन अभियान को उल्लेखनीय सफलता मिली है। अब तक देशभर में 1,338 पंच सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें पंचायती राज संस्थाओं के 5.26 लाख से अधिक प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों-कर्मचारियों ने भाग लिया। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से पंचायती राज संस्थाओं के तीनों स्तरों से जुड़े जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को अधिनियम के प्रावधानों, उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों से अवगत कराने के लिए पंच सम्मेलन आयोजित करने का अनुरोध किया था।

'आप हाई कोर्ट जा सकते हैं'.., सुप्रीम कोर्ट ने 'ई-20 पेट्रोल' को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 'ई-20 पेट्रोल' को लेकर दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिका में पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बताने और इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के गाड़ियों के साथ इस्तेमाल की अनुकूलता के बारे में अधिक पारदर्शिता के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी। वकील नरेंद्र गोस्वामी ने यह याचिका दायर की थी। वकील नरेंद्र गोस्वामी ने यह याचिका दायर की थी। सोमवार को जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। हालांकि, बेंच ने उन्हें अपनी शिकायत लेकर संबंधित हाई कोर्ट जाने की छूट दी। याचिका में मांग की गई कि हर पेट्रोल पंप के हर नोजल पर साफ-साफ लिखा जाए कि पेट्रोल में कितने प्रतिशत इथेनॉल मिला है। पेट्रोल की रसीद/बिल पर भी इथेनॉल का प्रतिशत लिखा जाए, ताकि ग्राहक को पता रहे कि उसने कौन-सा पेट्रोल खरीदा है। इस याचिका में यह भी मांग की गई थी कि सरकार एक

आधिकारिक वाहन-वार सूची/डेटाबेस बनाए, जिसमें बताया जाए कि कौन-सी गाड़ी ई-20 पेट्रोल के लिए उपयुक्त है और कौन-सी नहीं। इसमें कंपनी, मॉडल और निर्माण वर्ष आदि की जानकारी हो। जिन पुरानी गाड़ियों में ई-20 उपयुक्त नहीं है, उनके लिए धीरे-धीरे बदलाव की ऐसी व्यवस्था बनाई जाए, जिससे उन्हें कम-इथेनॉल वाला पेट्रोल उपलब्ध कराया जा सके। याचिकाकर्ता ने खुद अपनी बात रखते हुए कहा कि वह केंद्र की इथेनॉल-ब्लेंडिंग पॉलिसी को चुनौती नहीं दे रहे हैं, बल्कि सिर्फ ग्राहकों को बेचे जा रहे पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा के बारे में जानकारी चाहते हैं। गोस्वामी ने कहा, "मैं पॉलिसी को चुनौती नहीं दे रहा हूं। मैं बस जानना चाहता हूं। मुझे जानने का अधिकार है। जब हम बिस्कुट का पैकेट भी खरीदते हैं, तो हमें उसमें मौजूद चीजों के बारे में पता होता है।" उन्होंने आगे कहा कि यह मामला नागरिकों के अधिकारों से जुड़ा है, न कि किसी निजी फायदे से। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से कहा, "हम जो खरीद रहे हैं, उसके बारे में जानने का हमें अधिकार है।" जस्टिस सुंदेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने आखिरकार इस मामले पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। बेंच ने गोस्वामी से कहा, "हाई कोर्ट जाइए और वहां याचिका दायर कीजिए।"

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ फैशन टेक्नोलॉजी के 18 परिसरों के दीक्षांत समारोह के दौरान एक छात्रा को पदक प्रदान किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे 16 रक्षा उपक्रमों के वार्षिक प्रदर्शन की समीक्षा

नई दिल्ली, (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 1 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में सार्वजनिक क्षेत्र के 16 रक्षा उपक्रमों के वार्षिक कार्य-निष्पादन की समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक में रक्षा क्षेत्र में नई स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और रक्षा उत्पादों के निर्यात में वृद्धि पर विशेष जोर दिया जाएगा।बैठक के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के सात रक्षा उपक्रमों के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सरकार की इक्विटी हिस्सेदारी पर प्राप्त लाभांश के चेक रक्षा मंत्री को सौंपेंगे। इनमें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड, बीईएमएल और मिधानी शामिल हैं।

चार पुस्तकों का होगा विमोचन

कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह चार पुस्तकों का विमोचन भी करेंगे। इनमें 'आत्मनिर्भर डीपीएसयू-आत्मनिर्भरता की दिशा में डीपीएसयू की यात्रा', 'दिशा', 'एचएएल का आधुनिकीकरण रोडमैप' और 'एचएएल का स्वदेशीकरण रोडमैप' शामिल हैं।'दिशा' रक्षा क्षेत्र की प्रौद्योगिकियों और आधुनिक विनिर्माण प्रक्रियाओं के बारे में विद्यार्थियों को व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रक्षा उपक्रमों की एक पहल है। वहीं, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से संबंधित दोनों पुस्तकें कंपनी के आधुनिकीकरण और स्वदेशीकरण की दिशा में तैयार किए गए रोडमैप को सामने रखेंगी।

जीजा की आंखें फोड़ीं, चेहरे पर चाकू से 83 बार किए वार, चार मिनट तक दो साले ढाते रहे कहर, लोग बनाते रहे वीडियो

तरनतारन, (आरएनएस)। पंजाब के तरनतारन में प्रेम विवाह से नाराज दो युवकों ने अपने जीजा की बेरहमी से हत्या कर दी। बस अड्डे के बाहर दोनों आरोपियों ने जगजीत सिंह उर्फ जग्गा (25) को घेर लिया और सड़क पर गिराकर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में उसके चेहरे पर 83 वार किए गए। दोनों आंखों पर भी चाकू से हमला किया गया।

वारदात के दौरान जगजीत सड़क पर खून से लथपथ तड़पता रहा। बताया जा रहा है कि करीब चार मिनट तक दोनों आरोपी उस पर चाकुओं से हमला करते रहे। इस दौरान मौके से गुजर रहे कुछ लोग मदद करने के बजाय घटना का वीडियो बनाते रहे। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

परिवार की मर्जी के खिलाफ किया था प्रेम विवाह

जानकारी के अनुसार, गांव कद्दगिल निवासी जगजीत सिंह का गांव नौरंगाबाद की रहने वाली पिंकी के साथ प्रेम संबंध था। दोनों के रिश्ते से युवती का परिवार खुश नहीं था। परिवार की सहमति के बिना दोनों करीब एक महीने पहले घर से चले गए और प्रेम विवाह कर लिया। बताया जा रहा है कि चार दिन पहले ही जगजीत अपनी पत्नी के साथ घर वापस लौटा था। उसकी सास उससे मिलने कद्दगिल आई थी। सुबह करीब 11:40 बजे जगजीत अपनी सास को मोटरसाइकिल से बस अड्डे छोड़ने गया था। सास को बस में बैठाने के बाद वह वापस लौट रहा था। करीब 12:02 बजे बस अड्डे के बाहर उसके साले जसप्रीत सिंह और हरप्रीत सिंह ने उसे रास्ते में घेर लिया। दोनों के हाथों में चाकू थे। जगजीत की बाइक फुटपाथ पर गिरते ही आरोपियों ने उसे दबोच लिया और सड़क पर ही हमला शुरू कर दिया।

माई के लाल हैं तो आएं मेरे दरवाजे पर', तेज प्रताप ने संजय सिंह को होटल कांड पर दी चुनौती

पटना ,(आरएनएस)। जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने बिहार सरकार के मंत्री और महुआ से लोजपा (रामविलास) विधायक संजय कुमार सिंह पर अपने आरोपों को लेकर एक बार फिर हमला बोला है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेज प्रताप ने कहा कि वह किसी से डरने वाले नहीं हैं और इस मामले से जुड़ी पूरी सच्चाई सामने लाकर रहेंगे।

तेज प्रताप ने कुछ समय पहले सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए संजय सिंह पर दिल्ली के एक होटल में एक युवती के साथ कथित अभद्र व्यवहार और उसके शोषण का प्रयास करने का गंभीर आरोप लगाया था। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

तेज प्रताप के मुताबिक, होटल कर्मचारियों के हस्तक्षेप के बाद कथित स्थिति को संभाला गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि बाद में करीब 25 लाख रुपये के कथित लेन-देन के जरिए मामले को दबाने या रफा-दफा करने का प्रयास किया गया। तेज प्रताप ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

संजय सिंह ने दी चुनौती

तेज प्रताप के आरोपों पर संजय कुमार सिंह ने पलटवार करते हुए कहा था कि अगर कोई उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों को साबित कर दे तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे। संजय सिंह के इस बयान पर तेज प्रताप ने भी उन्हें खुली चुनौती दे दी। उन्होंने कहा कि अगर वह खुद को 'माई का लाल' कहते हैं तो उनके दरवाजे पर आकर सामने बात करें। तेज प्रताप ने दोहराया कि उनके पास मामले से जुड़ी पूरी सच्चाई है और कथित वीडियो भी सामने लाने की प्रक्रिया चल रही है।

बोले- शेर के बच्चे हैं, सच सामने लाएंगे

तेज प्रताप ने कहा कि वह किसी दबाव में आने वाले नहीं हैं। उन्होंने खुद को 'शेर का बच्चा' बताते हुए कहा कि वह शेर की तरह अपनी बात रखेंगे और जो सच है, उसे जनता के सामने लाकर रहेंगे।

सुरक्षा की मांग, हत्या की साजिश का भी आरोप

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तेज प्रताप ने सरकार से अपनी सुरक्षा बढ़ाने की मांग भी की। उन्होंने संजय कुमार सिंह पर अपनी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया। तेज प्रताप ने दावा किया कि उनकी जान को खतरा है और मंत्री उन्हें नुकसान पहुंचाना चाहते हैं।हालांकि, हत्या की साजिश समेत तेज प्रताप द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले में दोनों नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप लगातार जारी हैं।

देश का अपमान महंगा पड़ेगा', न्यूयॉर्क में भागवत के कार्यक्रम से पहले तिरंगे के अनादर पर भड़के रिजिजू

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान को लेकर प्रदर्शनकारियों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि किसी को भी आरएसएस, बीजेपी या केंद्र सरकार की आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन देश और तिरंगे का अपमान स्वीकार नहीं किया जाएगा।

रिजिजू ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो साझा किया। वीडियो के साथ उन्होंने प्रदर्शनकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि राजनीतिक दल या सरकार की आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन राष्ट्रीय ध्वज और देश का अपमान करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

रिजिजू ने शेयर किया प्रदर्शन का वीडियो

रिजिजू ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि आरएसएस, बीजेपी और सरकार की आलोचना करने की पूरी आजादी है, लेकिन देश और राष्ट्रीय ध्वज का अपमान नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत और उसके तिरंगे का अपमान करने की कीमत चुकानी पड़ेगी।

यह प्रदर्शन शनिवार, 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के

मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुआ। यहां आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' को संबोधित करने पहुंचे थे।

तीन देशों के दौरे पर हैं मोहन भागवत

मोहन भागवत आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन के तीन देशों के ग्लोबल आउटरीच दौरे पर हैं। उनके दौरे के पहले चरण में न्यूयॉर्क में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां उन्होंने भारतीय मूल के लोगों को संबोधित किया।

भागवत बोले- जिस देश में रहते हैं, उसके प्रति निभाएं कर्तव्य

अपने संबोधन में मोहन भागवत ने प्रवासी भारतीयों से उस देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियां निभाने की अपील की, जहां वे रहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत उनकी जन्मभूमि हो सकती है, लेकिन जिस देश में वे रह रहे हैं, वही उनकी कर्मभूमि है।

भागवत ने अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों से अमेरिकी समाज और देश के प्रति पूरी निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रवासी भारतीयों को भारत से मिले मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए जिस देश में वे रहते हैं, वहां एक जिम्मेदार नागरिक की तरह व्यवहार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अमेरिका में रहने वाले लोग वहीं रहते हैं और वहीं काम करते हैं, इसलिए उन्हें अमेरिका के प्रति ईमानदार और वफादार रहना चाहिए। साथ ही, उन्होंने प्रवासी भारतीयों को अपनी कर्मभूमि के प्रति अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता देने का संदेश दिया।

दिल्ली के प्रतिष्ठित स्कूल में 3 साल की बच्ची से यौन शोषण का आरोप, चॉकलेट का लालच देकर वारदात; बस ड्राइवर गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के बवाना इलाके के एक प्रतिष्ठित स्कूल में तीन साल की नर्सरी छात्रा के यौन शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि स्कूल बस चालक विकास ने बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर उसके साथ कई बार यौन शोषण किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

परिवार को घटना की जानकारी 19 अगस्त की रात हुई, जब बच्ची के शरीर पर चोट के निशान दिखाई दिए। इसके बाद उसकी मां ने बच्ची से पूछताछ की। बच्ची ने स्कूल में मौजूद एक बैड अंकल के बारे में बताया, जो उसे चॉकलेट देता था। हालांकि, बच्ची आरोपी का नाम नहीं बता पा रही थी।

परिजनों ने मामले की जानकारी स्कूल प्रशासन को दी। इसके बाद 24 अगस्त को बच्ची को कुछ लोगों की तस्वीरें और स्कूल की CCTV फुटेज दिखाई गई। पुलिस के अनुसार, फुटेज देखने के बाद बच्ची ने स्कूल बस चालक विकास की पहचान आरोपी के तौर पर की।

मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद POCSO एक्ट के तहत FIR दर्ज की गई। पुलिस ने आरोपी विकास को स्कूल परिसर से गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया है कि वह करीब आठ महीने से स्कूल बस चला रहा था।

पुलिस के अनुसार, स्कूल परिसर की CCTV फुटेज में आरोपी को जेब में चॉकलेट लेकर घूमते हुए देखा गया है। आरोप है कि वह बच्ची के बाथरूम जाने के दौरान उसके पीछे गया, उसे चॉकलेट दी और सीढ़ियों के नीचे उसके साथ यौन शोषण किया। पुलिस की शुरुआती जांच में बच्ची के साथ कथित तौर पर चार बार यौन शोषण किए जाने की बात सामने आई है।

अमेरिका-ईरान वार के बीच ईरानी राष्ट्रपति से मिले PM मोदी, इन बातों के लेकर हुई गंभीर चर्चा

बिश्केक(ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन के साथ बैठक की।ईरान की अर्द्ध सरकारी तस्नीम न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने आपसी रिश्तों की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया और दोनों देशों के लिए अहम क्षेत्रों में ईरान और भारत के बीच आपसी सहयोग को मजबूत करने की जरूरत पर बल दिया। पश्चिम एशिया संकट के बीच दोनों शीर्ष लीडर्स में संवाद कायम रहा है। जून में, पीएम मोदी और पेजेश्कियन के बीच फोन पर बातचीत हुई थी, जिसमें ईरानी राष्ट्रपति ने भारतीय पीएम को पश्चिम एशिया में हो रही घटनाओं और आगे की राह के बारे में जानकारी दी थी। बातचीत के दौरान, पीएम मोदी ने संघर्ष खत्म करने के लिए बनी सहमति का स्वागत किया था और स्थायी शांति और स्थिरता के लिए लगातार कोशिशों की जरूरत को दोहराया।

दोनों नेताओं ने इससे पहले 21 मार्च को भी बात की थी, जिसमें उन्होंने पश्चिम एशिया क्षेत्र में सुरक्षा हालात पर विस्तार

से चर्चा की थी। पीएम मोदी 26वें एससीओ शिखर सम्मेलन और छठे वर्ल्ड नोमैड गेम्स के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए किर्गिस्तान की आधिकारिक यात्रा पर हैं। दिन में, पीएम मोदी ने बिश्केक में अपने अर्मेनियाई समकक्ष निकोल पाशिनियान के साथ बैठक की और पश्चिम एशिया के हालात के अलावा कई क्षेत्रों में आपसी सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की।बैठक के बाद, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक्स पर कहा, "दोनों नेताओं ने रक्षा, आर्थिक, फार्मा, विज्ञान और तकनीक, संस्कृति और शिक्षा समेत कई क्षेत्रों में आपसी सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने पश्चिम एशिया के हालात समेत क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाओं पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।" एमईए ने आगे कहा, "पीएम नरेंद्र मोदी ने दोहराया कि भारत आपसी रिश्तों को और गहरा और व्यापक बनाने के लिए अर्मेनिया के साथ मिलकर काम करने का इच्छुक है।" दिन की शुरुआत पीएम मोदी ने बिश्केक में महात्मा गांधी के स्मारक पर उन्हें श्रद्धांजलि दे की। इस मूर्ति का अनावरण 2015 में प्रधानमंत्री की किर्गिस्तान यात्रा के दौरान किया गया था।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा,"सुबह बिश्केक में, शहर में महात्मा गांधी की प्रतिमा को नमन किया। गांधी जी के विचारों का हमारे मन पर हमेशा बेमिसाल असर रहेगा।"उन्होंने बिश्केक में योग के शौकीनों, शिक्षाविदों, इंडियन टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन (आईटीईसी) के पूर्व छात्रों और शोधकर्ताओं समेत विभिन्न समुदायों के लोगों से भी मुलाकात की। पीएम मोदी ने एक्स पर इस मुलाकात को बेहद खुशनुमा करार दिया।

होर्मुज के लराक पर वाशिंगटन की बमबारी, ईरान का जॉर्डन में अमेरिकी ठिकाने पर हमला

अम्मान/तेहरान/वाशिंगटन, (ए.)। होर्मुज जलडमरूमध्य के दक्षिणी ईरान के लराक द्वीप पर बमबारी के जवाब में ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर हमला किया है। अमेरिका ने लगभग एक माह बाद ईरान के खिलाफ बड़ा हमला किया। इसके बाद ईरान की सेना ने जवाब दिया। हमले में रॉकेट, ड्रोन और मिसाइलों का प्रयोग किया। ताजा सैन्य टकराव से तेल कीमतों में उछाल आने की संभावना है। अल जजीरा और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने रविवार को लराक द्वीप पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने जॉर्डन में किंग हुसैन और अल-अजराक में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। आईआरजीसी ने हमले में मिसाइल और ड्रोन का इस्तेमाल किया।

नेतन्याहू के बेटे को अमेरिका से निकाला, सुरक्षा एजेंसी ने बताया 'गंभीर सुरक्षा खतरा'; ईरान पर हत्या की कोशिश का आरोप

तेल अवीव (ए.)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बड़े बेटे यायर नेतन्याहू को गंभीर सुरक्षा खतरे के चलते अमेरिका से तत्काल सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है। इजरायल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी 'शिन बेट' ने रविवार को इसकी पुष्टि की। एजेंसी ने हालांकि खतरे की प्रकृति या उससे जुड़ी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। शिन बेट के संक्षिप्त बयान के अनुसार, यायर नेतन्याहू के खिलाफ एक "गंभीर खतरा" सामने आया था, जिसके बाद उन्हें अमेरिका से सुरक्षित स्थान पर ले जाने का फैसला किया गया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस संबंध में रविवार को कोई टिप्पणी नहीं की।इस घटनाक्रम से करीब एक सप्ताह पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायली चैनल 14 को दिए एक फोन इंटरव्यू में दावा किया था कि ईरान ने उनके एक बेटे को निशाना बनाया और उसकी हत्या की कोशिश की। 24 अगस्त को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि उनके परिवार से जुड़ी एक बेहद गंभीर घटना हुई है और ईरान ने उनके एक बेटे को निशाना बनाया था।नेतन्याहू के बयान के बाद इजरायल के पत्रकार अमित सेगल ने अपने टेलीग्राम चैनल पर दावा किया था कि कथित हत्या की कोशिश की जानकारी इजरायली अधिकारियों को कई महीनों से थी। उनके अनुसार, इस मामले से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक करने पर प्रतिबंध यानी गैग ऑर्डर लागू था। हालांकि, इन दावों के संबंध में विस्तृत आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।प्रधानमंत्री नेतन्याहू के दो बेटे हैं- यायर नेतन्याहू और अवनेर नेतन्याहू। 35 वर्षीय यायर वर्ष 2023 में अमेरिका के मियामी चले गए थे और इसके बाद ज्यादातर समय इजरायल से बाहर रहे हैं। इस दौरान इजरायल गाजा, लेबनान और ईरान के साथ संघर्षों में उलझा रहा।यायर अपने पिता के अनौपचारिक सलाहकार के तौर पर भी काम करते रहे हैं। सोशल मीडिया पर अपने राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों पर तीखी टिप्पणियों के कारण वह कई बार विवादों में भी रहे हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिका में रहते हुए यायर को शिन बेट की सुक्षा भी उपलब्ध कराई गई थी। उनकी सुरक्षा पर होने वाले सरकारी खर्च को लेकर इजरायल में पहले भी विवाद हो चुका है।नेतन्याहू के दूसरे बेटे अवनेर सार्वजनिक जीवन से काफी दूर रहते हैं और इजरायल में ही रहते हैं। नेतन्याहू की एक बेटी नोआ नेतन्याहू-रोथ भी हैं। वह उनकी पहली पत्नी मिरियम वीजमैन से हुई संतान हैं और यरुशलम में अपने पति डैनियल रोथ तथा बच्चों के साथ निजी जीवन बिताती हैं।

ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर किए मिसाइल और ड्रोन हमले, लारक द्वीप पर हुए हमले का दिया जवाब

तेहरान (ए.)। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने सोमवार को दावा किया कि उसने जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी हवाई ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से संयुक्त हमला किया है। यह कार्रवाई रविवार रात ईरान के लारक द्वीप पर हुए कथित अमेरिका-इजरायल हवाई हमले के जवाब में की गई है। ईरानी समाचार एजेंसी फार्स ने आईआरजीसी के बयान के हवाले से बताया कि ईरानी सेना ने जॉर्डन में स्थित किंग हुसैन और अल-अजराक अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया। बयान के अनुसार, हमले में इन ठिकानों के तकनीकी और रखरखाव से जुड़े ढांचे तथा उन स्थानों को निशाना बनाया गया जहां दुश्मन के लड़ाकू विमान तैनात थे। आईआरजीसी ने दावा किया कि इस हमले से भारी नुकसान हुआ है। आईआरजीसी ने अपने बयान में कहा, आक्रामकता और अपराध इस्लामी गणराज्य ईरान के होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण को कमजोर करने की दुश्मन की कोशिशों में उसकी हताशा को दूर नहीं कर सकते। हर हमले का जवाब इससे भी अधिक कड़े और विनाशकारी तरीके से दिया जाएगा।यह हमला उस अमेरिकी कार्रवाई के बाद हुआ जिसमें अमेरिका ने रविवार को लारक द्वीप पर मौजूद आईआरजीसी के दो रॉकेट लॉन्चरों को निशाना बनाया था।

'स्वर्ग आईलैंड के कर दिए टुकड़े-टुकड़े': ईरान के हमले के बाद ट्रंप ने जारी किया AI वीडियो; देखें तबाही का मंजर

वॉशिंगटन(ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खर्ग आईलैंड को लेकर बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा कि खर्ग आईलैंड को "टुकड़े-टुकड़े" किया जा रहा है। वीडियो में द्वीप पर बड़े धमाके दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, ट्रंप ने अपने पोस्ट में यह स्पष्ट नहीं किया कि खर्ग आईलैंड पर कब और किस तरह की अमेरिकी सैन्य कार्रवाई हुई। अमेरिकी प्रशासन की ओर से भी तत्काल इस हमले की स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई। ट्रंप द्वारा साझा किए गए वीडियो को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, वीडियो के AI या सिंथेटिक तरीके से तैयार किए जाने की संभावना जताई गई है। AI से बदली गई तस्वीरों और

वीडियो की पहचान करने वाले सॉफ्टवेयर के विश्लेषण में इसके कृत्रिम रूप से तैयार होने के संकेत मिले हैं। ऐसे में खर्ग आईलैंड पर वास्तव में कोई बड़ा हमला हुआ है या नहीं, इसे लेकर फिलहाल स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। ट्रंप की खर्ग आईलैंड वाली पोस्ट से पहले अमेरिका ने ईरान के लारक आईलैंड पर सैन्य कार्रवाई की थी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के अनुसार, कार्रवाई में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के दो रॉकेट लॉन्च सिस्टम को निशाना बनाया गया था। अमेरिका का दावा था कि इन लॉन्च सिस्टम के जरिए IRGC होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री माइंस बिछाने की तैयारी कर रहा था। वहीं, ईरानी मीडिया ने दावा किया कि लारक पर ड्रोन से हमला किया गया, जिसमें कुछ ईरानी सैनिकों और नागरिकों के मारे जाने या घायल होने की खबर सामने आई। लारक पर अमेरिकी कार्रवाई के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई का दावा किया। IRGC के मुताबिक, ईरान ने जॉर्डन और कतर में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों की ओर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ईरानी पक्ष ने जॉर्डन के किंग हुसैन और अल-अजराक एयरबेस की तकनीकी सुविधाओं तथा लड़ाकू विमानों से जुड़ी जगहों को निशाना बनाने का दावा किया। दूसरी ओर, जॉर्डन ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने कई मिसाइलों को रोक दिया।

फीचर

खतरों के खिलाड़ी 15 से जल्दी बाहर होने का दर्द अब भी दिल में है : अविका गौर

अभिनेत्री अविका गौर ने खतरों के खिलाड़ी 15 से अपने एलिमिनेशन के बाद पहली बार अपने अनुभव और भावनाओं के बारे में खुलकर बात की है। शो से इतनी जल्दी बाहर होना उनके लिए आसान नहीं रहा। अविका ने कहा कि एलिमिनेशन के बाद जब वह घर बैठकर शो देखती हैं, तो उनके मन में बार-बार यही ख्याल आता है कि अगर वह उस वक्त वहां होतीं, तो शायद और बेहतर कर सकती थीं।

हालांकि, बाद में उन्हें यह भी एहसास होता है कि टीवी पर बैठकर किसी स्टंट को देखना और खुद उस डर, दबाव और एड्रेनालिन के बीच उसे करना बिल्कुल अलग बात है। अविका गौर ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर किया और बताया कि खतरों के खिलाड़ी ने उनकी जिंदगी और खुद को देखने के नजरिए पर काफी असर डाला है।

उन्होंने लिखा, मैंने खतरों के खिलाड़ी देखने के बाद अपने बारे में एक बात महसूस की है। मैं खुद को यह सोचते हुए पाती हूं कि अगर मैं वहां होती, तो मैंने हार नहीं मानी होती। मैं और ज्यादा कोशिश करती। मैं बेहतर करती। अविका ने आगे मजाकिया अंदाज में कहा, शो को आराम से सोफे पर बैठकर देखने के दौरान मुझे ऐसा लगने लगता है, जैसे मैं खतरों के खिलाड़ी की एक्सपर्ट बन गई हूं।

लेकिन फिर याद आता है कि मैं अपनी जिंदगी के आरामदायक माहौल में बैठकर शो देख रही हूं। मुझे न तो उस समय का दबाव महसूस हो रहा है और न ही उस स्टंट को करने का डर। बाहर बैठकर किसी स्थिति का हीरो बनना बहुत आसान है। जब कोई चीज हमारे लिए बहुत मायने रखती है, तो हम उसे बार-बार अपने दिमाग में दोहराते हैं, अलग-अलग फैसलों की कल्पना करते हैं और कहानी का एक ऐसा वर्जन बना लेते हैं, जो कभी हुआ ही नहीं।अविका ने कहा, शायद इसी वजह से इतनी जल्दी एलिमिनेट होना मेरे लिए पूरी तरह छोड़ पाना मुश्किल रहा है। मेरे अंदर कहीं न कहीं अभी भी वह लड़की है, जो सोचती है कि मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ था। शायद सच में था भी। लेकिन मुझे यह भी समझना होगा कि इस सोच में लगातार जीते रहना सही नहीं है। यह मानना अलग बात है कि आपके पास और बेहतर करने की क्षमता थी और हर वक्त उस दुनिया में रहना अलग।उन्होंने कहा, जब मैंने पहली बार शो किया था, तब मैं सिर्फ 21 साल की थीं। उस समय शो ने मुझे खुद को और अपने भविष्य को एक अलग नजरिए से देखने में मदद की थी। मैं डर का सामना करने और स्टंट करने के इरादे से शो में गई थीं, लेकिन वहां से निकलने के बाद मुझे खुद के बारे में बहुत कुछ नया समझ आया। अविका ने लिखा, मैंने हमेशा मेहनत करने, तैयारी करने, खुद को आगे बढ़ाने और अपनी पसंद की जिंदगी बनाने में विश्वास किया है।

माइक्रोवेव में खाना बनाना सेहत के लिए है नुकसानदेह? जानिए सच्चाई

आजकल कई लोग माइक्रोवेव का इस्तेमाल करते हैं, क्योंकि इससे खाना बनाने में काफी आसानी होती है। हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि माइक्रोवेव में बना खाना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। उनका कहना है कि माइक्रोवेव में खाना पकाने से उसमें मौजूद पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं और यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। आइए जानते हैं कि क्या वाकई माइक्रोवेव में खाना बनाना सेहत के लिए नुकसानदायक है।

माइक्रोवेव में खाना पकाने का तरीका

माइक्रोवेव एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है, जो रेडियो तरंगों का उपयोग करके खाना गर्म करता है। यह तरीका पारंपरिक ओवन की तुलना में तेजी से खाना गर्म करने में मदद करता है। माइक्रोवेव में खाना पकाने का समय कम होता है और ऊर्जा की खपत भी कम होती है। लोग मानते हैं कि माइक्रोवेव में बनने वाला खाना पोषक तत्वों से भरपूर नहीं होता, लेकिन वैज्ञानिक नजरिए से देखा जाए तो यह पूरी तरह से गलत है।

पोषक तत्वों पर प्रभाव

कुछ लोग मानते हैं कि माइक्रोवेव में बने खाने में पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। हालांकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि माइक्रोवेव में बनी चीजें उतनी ही पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं, जितनी कि पारंपरिक तरीके से बनी होती हैं। दरअसल, माइक्रोवेव तेजी से खाना पकाने में मदद करता है, जिससे पोषक तत्व कम प्रभावित होते हैं। इसलिए, यह कहना गलत होगा कि माइक्रोवेव में बना खाना सेहत के लिए नुकसानदायक होता है।

प्लास्टिक कंटेनर का उपयोग

एक और आम धारणा यह है कि माइक्रोवेव में प्लास्टिक कंटेनर का उपयोग करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। सही तरीके से उपयोग करने पर यह पूरी तरह सुरक्षित होता है।

हालांकि, सुनिश्चित करें कि आपका प्लास्टिक कंटेनर माइक्रोवेव सुरक्षित हो और उसमें किसी प्रकार की धातु न हो। इसके अलावा बार-बार उपयोग करने से प्लास्टिक कंटेनर में खरोंच आ सकती है, जिससे रसायन निकल सकते हैं।इसलिए, समय-समय पर इन्हें बदलते रहना चाहिए।

बैक्टीरिया हटाने की क्षमता

माइक्रोवेव से बैक्टीरिया हटाने में मददगार हो सकता है। अगर आप किसी खाने को दोबारा गर्म कर रहे हैं तो यह तरीका उपयोगी साबित हो सकता है।

गर्म तापमान पर बैक्टीरिया मर जाते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा कम होता है। इसलिए, यह कहना गलत होगा कि केवल पारंपरिक तरीकों से ही बैक्टीरिया हटाए जा सकते हैं। सही तरीके से उपयोग करने पर माइक्रोवेव सेहत के लिए पूरी तरह सुरक्षित होता है।

एक ही समय पर दस्त और कब्ज लगने के हो सकते हैं ये 5 कारण

दस्त और कब्ज, दोनों ही पेट की समस्याएं हैं, जो अलग-अलग लक्षण और इलाज रखती हैं। हालांकि, कुछ स्थितियों में ये दोनों समस्याएं एक साथ हो सकती हैं। इस लेख में हम उन 5 कारणों के बारे में जानेंगे, जिनसे एक ही समय पर दस्त और कब्ज, दोनों लग सकते हैं। इन कारणों को जानकर आप बेहतर तरीके से इन समस्याओं का इलाज कर सकते हैं और अपनी सेहत को सुधार सकते हैं।

खाने में बदलाव

खाने में अचानक बदलाव करने से पाचन तंत्र प्रभावित हो सकता है। अगर आप अचानक से ज्यादा फाइबर वाला या गलत खाने का सेवन करने लगते हैं तो इससे दस्त और कब्ज, दोनों हो सकते हैं।इसके अलावा ताजे फल और सब्जियों की कमी भी इस समस्या का कारण बन सकती है। इसलिए, अपने खाने में धीरे-धीरे बदलाव करें और ऐसा खाना खाएं, जिसमें प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स और फाइबर की सही मात्रा हो।

पानी की कमी

शरीर में पानी की कमी भी दस्त और कब्ज, दोनों का कारण बन सकती है। जब शरीर को पर्याप्त पानी नहीं मिलता तो यह अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए मल को अधिक अवशोषित कर लेता है, जिससे कब्ज हो जाते है।वहीं, कुछ मामलों में यह पेट के बैक्टीरिया को असंतुलित कर देती है, जिससे दस्त लग जाते हैं। इसलिए, रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है।

संक्रमण या बीमारी

कुछ संक्रमण या बीमारियां भी दस्त और कब्ज, दोनों का कारण बन सकती हैं। जैसे आंतों की सूजन, फ्लू वायरस या बैक्टीरियल संक्रमण।इन मामलों में डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी होता है, ताकि सही इलाज मिल सके और समस्या का समाधान भी हो सके। इसके अलावा पेट के संक्रमण के कारण भी दस्त और कब्ज, दोनों लग सकते हैं।ऐसे में डॉक्टर से संपर्क करना बेहद जरूरी होता है।

मानसिक तनाव

मानसिक तनाव, जैसे चिंता या तनाव भी पाचन तंत्र पर बुरा असर डाल सकता है, जिससे दस्त और कब्ज लग सकते हैं। जब शरीर में तनाव होता है तो यह पेट पर दबाव डालता है, जिससे मल सख्त हो जाता है या तरल हो जाता है। इसलिए, मानसिक शांति बनाए रखना बहुत जरूरी है, ताकि पेट स्वस्थ रहे और ऐसी समस्याएं न हों। इसके लिए नियमित ध्यान या योग करना फायदेमंद हो सकता है।

दवाइयों का असर

कुछ दवाइयों के सेवन से भी दस्त या कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खासकर अगर आप किसी संक्रमण या बीमारी का इलाज करवा रहे हों तो डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाइयों का ही सेवन करें।गलत दवाइयों के सेवन से शरीर पर बुरा असर पड़ता है, जिससे पेट संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इन कारणों को जानकर आप बेहतर तरीके से इन समस्याओं का इलाज कर सकते हैं और अपनी सेहत को सुधार सकते हैं।

सहायक राजस्व निरीक्षक योगेश परसाई और कर्मचारी कैलाश संतोरे सेवानिवृत्त

नर्मदापुरम (निप्र)। सोमवार को नगरपालिका में सहायक राजस्व निरीक्षक के पद पर सेवाएं देने वाले योगेश परसाई एवं कर्मचारी कैलाश संतोरे के सेवानिवृत्ति अवसर पर सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया।कार्यक्रम में धर्माचार्य पं सोमेश परसाई आचार्य नरेश प्रसाद परसाई, नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख अधीक्षक योगेश सोनी सहित नगरपालिका के अधिकारी.कर्मचारी पार्षदगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।इस अवसर पर अनंत सिंह राजपूत मूर्ति सिंह राजपूत पूर्व पार्षद अजय सेनी राजेंद्र उपाध्याय रेखा यादव सुनील अवस्थी दाताराम सगर शैलेंद्र साहू सहित अन्य उपस्थितजनों ने सेवानिवृत्त हो रहे दोनों कर्मचारियों को शाल.श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके दीर्घ सेवाकाल के लिए आभार व्यक्त किया।

अतिथिगणों द्वारा कहा गया कि योगेश परसाई एवं कैलाश संतारे ने अपने सेवाकाल में नगरपालिका के कार्यों एवं नागरिकों की सेवा के प्रति पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। उनके अनुभव एवं सेवाभाव को सदैव स्मरण किया जाएगा।

इस अवसर पर योगेश परसाई के परिजन भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का आभार वार्ड 06 के पार्षद राजेंद्र उपाध्याय द्वारा व्यक्त किया गया। समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने दोनों सेवानिवृत्त कर्मचारियों के स्वस्थाए सुखमय एवं मंगलमय भावी जीवन की शुभकामनाएं दीं।

विलासवाड़ा में 6 माह से बंद पड़ी पुरानी नाली सीवर लाइन कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की मांग

नर्मदापुरम(निप्र)। वार्ड क्रमांक 3 पार्षद लीला बसंत सैनी के शिकायती पत्र के अनुसार विलासवाड़ा क्षेत्र में दिगंबर पुस्तक भंडार के पीछे सीवर लाइन कंपनी द्वारा पुरानी नाली को विगत 6 माह से अवरुद्ध किए जाने के मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग को लेकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीएमओ एवं नगर पालिका अध्यक्ष को वार्ड वासियों द्वारा समस्या संबंधी ज्ञापन सौंपा गया। अजय सैनी पूर्व पार्षद ने ज्ञापन में बताया गया कि पुरानी नाली लंबे समय से बंद होने के कारण क्षेत्र में जल निकासी की समस्या उत्पन्न हो रही है। बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर होने की आशंका है जिससे रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तथा गंदा पानी जमा होने से आसपास के क्षेत्र में असुविधा की स्थिति बनी हुई है वार्डवासी दीपेश दिगंबर एवं फखरी मुल्लाजी ने बताया की निकासी नहीं होने के कारण पानी घरों में बैठ रहा है जिससे सीपेज की समस्या उत्पन्न हो रही है। क्षेत्रवासियों की समस्या को देखते हुए ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि सीवर लाइन कंपनी द्वारा किए गए अवरोध को तत्काल हटवाकर पुरानी नाली को सुचारू कराया जाए तथा लापरवाही के लिए संबंधित कंपनी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि नगर पालिका के संबंधित अधिकारी मौके का निरीक्षण कर समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करेंए ताकि वार्डवासियों को जल निकासी की समस्या से राहत मिल सके, ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से अजय सैनी दीपेश दिगंबर, फाखरी मुल्लाजी, सौरभ शर्मा, तरुण शर्मा, प्रवीन शर्मा पंकज पचौरी आदि उपस्थित थे।

लौंग पर गुणवत्ता सुधार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बैतूल(निप्र)। नर्मदापुरम।स्पाइसेस बोर्ड इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय गुना द्वारा मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के भैंसदेही ब्लॉक के कुकरू गाँव में लौंग पर एक गुणवत्ता सुधार प्रशिक्षण कार्यक्रम ;फफ्न्द्ध का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय किसानों के बीच क्षेत्र में उच्च मूल्य वाली मसाला फसल के रूप में लौंग की खेती की क्षमता और संभावनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना था। बैठक में कुकरू ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव उपस्थित रहे। सहायक निदेशक स्पाइसेस बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय गुना ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी।डॉ भरत गुडाडे प्रभारी अधिकारी क्षेत्रीय कार्यालय गुना ने स्पाइसेस बोर्ड की विभिन्न गतिविधियों योजनाओं और पहलों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बैतूल जिले में लौंग की खेती के लिए कृषि.जलवायु उपयुक्तता और आर्थिक क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्रीए उन्नत एवं वैज्ञानिक खेती पद्धतियों को अपनाने एकीकृत पोषक तत्व एवं कीट प्रबंधन और कटाई उपरांत प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया।

आईबीडीए 2026 में ट्राइडेंट ग्रुप ने पांचवीं बार जीता बेस्ट इन.हाउस स्टूडियो अवॉर्ड

नर्मदापुरम (निप्र)। होम टेक्सटाइल पेपर केमिकल और एनर्जी के क्षेत्र में अग्रणी वैश्विक निर्माता और निर्यातक ट्राइडेंट ग्रुप को एक बार फिर अपने डिज़ाइन एक्सीलेंस के लिए पहचान मिली है। पुणे के द वेस्टिन में 29 अगस्त को आयोजित इंडियास बेस्ट डिजाइन अवॉर्ड्स आईबीडीए 2026 के 11वें संस्करण में ट्राइडेंट ग्रुप को प्रतिष्ठित बेस्ट इन.हाउस स्टूडियो के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान ट्राइडेंट को रिकॉर्ड पांचवीं बार मिला है, जो डिजाइन इनोवेशन और रचनात्मकता के क्षेत्र में कंपनी की मजबूत पहचान को दर्शाता है।यह पुरस्कार 11वें डिजाइन इंडिया शो के दौरान प्रदान किया गया। डिजाइन रचनात्मकता और नवाचार के क्षेत्र में देश के प्रमुख मंचों में शामिल इस आयोजन में ट्राइडेंट ग्रुप की डिजाइन क्षमता और रचनात्मक उत्कृष्टता को मान्यता दी गई। यह सम्मान ऐसे उत्पाद और अनुभव विकसित करने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता हैए जिनमें आकर्षक डिजाइनए उपयोगिता सस्टेनेबिलिटी और उपभोक्ताओं की जरूरतों का समावेश हो।ट्राइडेंट की इस उपलब्धि में उसके इन.हाउस डिजाइन स्टूडियो की अहम भूमिका है। स्टूडियो में एनआईडीए एनआईएफटी और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय डिजाइन संस्थानों से जुड़े 40 से अधिक डिजाइनर कार्यरत हैं। अलग.अलग संस्कृतियों विचारों और विशेषज्ञताओं के अनुभव के साथ यह स्टूडियो ग्लोबल ट्रेंड इंटेलिजेंस कंज्यूमर इनसाइट्स सस्टेनेबिलिटी प्रिंसिपल्स और स्टोरीटेलिंग को मिलाकर प्रोडक्ट डिज़ाइन कम्युनिकेशन और ब्रांडिंग में अलग.अलग तरह के प्रोडक्ट और एक्सपीरियंस तैयार करता है।दुनिया के सबसे बड़े टेरी टॉवल निर्माताओं में से एक ट्राइडेंट ग्रुप होम टेक्सटाइल और पेपर उत्पादों का भी एक प्रमुख वैश्विक आपूर्तिकर्ता है। कंपनी इन्नोवेशन सस्टेनेबिलिटी और उत्कृष्ट डिजाइन को एकीकृत करते हुए उद्योग में नए मानक स्थापित करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। आईबीडीए 2026 का यह सम्मान ट्राइडेंट की उस सोच को और मजबूत करता है जिसके तहत दुनिया भर के उपभोक्ताओं की जरूरतों और पसंद के अनुरूप उपयोगी टिकाऊ और आकर्षक उत्पाद तैयार किए जा सकें।

म्यूज़िक ज़ोन द्वारा महान गायकों को स्वरांजलि

नर्मदापुरम (निप्र)। म्यूज़िक ज़ोन द्वारा महान गायकों को स्वरांजलि हेतु एक संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पंडित पीयूष शर्मा अध्यक्ष मध्य प्रदेश तैराकी संघ एवं भूपेंद्र चौकसे अध्यक्ष जनपद पंचायत नर्मदापुरम और गिरीश दीक्षित जी रिटायर्ड डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन जज एवं म्यूजिक ज़ोन के संरक्षक श्री गिरजा शंकर शर्मा पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ समाज सेवी राकेश फौजदार जी के साथ पंडित राम परसाई ने माँ सरस्वती की मूर्ति को माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्जलन के साथ किया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष और म्यूजिक जोन के प्रेरणा स्रोत पंडित भवानी शंकर शर्मा जी की गरिमामय उपस्थिति रहीद्य स्वर सम्राट मुकेश जी को सईद कुरैशी जी द्वारा, किशोर कुमार जी को किशोर की आवाज़ कहे जाने वाले म्यूज़िक ज़ोन के संस्थापक श्री असीम विश्वास द्वारा एवं मोहम्मद रफ़ी जी को रफ़ी की आवाज़ कहे जाने वाले मोहम्मद इमरान द्वारा स्वरांजलि अर्पित की गई। म्यूज़िक ज़ोन के कलाकारों ने इन महान गायकों के अमर गीतों की प्रस्तुति देकर सभागृह में उपस्थित सभी श्रोताओं का मन मोह लिया। प्रमुख रूप से संस्था के संरक्षक माननीय पं. गिरिजा शंकर शर्मा, समाजसेवी श्री राकेश फौजदार जी, असीम विश्वास, सईद कुरैशी, प्रतीक द्विवेदी, मुकेश गढ़वाल, वैभव शुक्ला, संयम बिल्लौरे, मोहम्मद इमरान, इंजी. अजय बर्खने, गंगा राम सोनिया, अजय दुबे, सुनील मिश्रा, डॉ. दिनेश श्रीवास्तव, अमित पगारे, सुश्री सौम्या कौशिक, साधना मेहरा, भाग्यश्री दसिला, अनूप गौर ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में म्यूज़िक ज़ोन के कलाकारों के अलावा शहर की दिग्गज हस्तियों ने अपनी प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई, जिनमें प्रमुख रूप से पं. पीयूष शर्मा, मध्यप्रदेश पत्रकार संघ अध्यक्ष श्री गिरिश दीक्षित जी (सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश), समाजसेवी श्री वैभव शर्मा जी, श्री अभय वर्मा जी (उपाध्यक्ष, नगर पालिका नर्मदापुरम), लोकेश तिवारी जी (भाजपा जिला उपाध्यक्ष), सी.पी. भार्गव जी (यूनिट हेड, दैनिक भास्कर) रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पं. पीयूष शर्मा एवं भूपेन्द्र चौकसे (जनपद पंचायत अध्यक्ष), श्री गिरिश दीक्षित, श्री लोकेश तिवारी का सम्मान शॉल, श्रीफल एवं मोमेंटो द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को गरिमामय बनाने के लिए नर्मदा शिक्षा समिति के डायरेक्टर श्री अरुण शर्मा जी का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री रमेश उपरिया, पूर्व पार्षद ज़मील खान, युवा नेता अनुराग तिवारी, राहुल ठाकुर, सत्यम अदालिया, पटेरिया जी, संजय चौकसे, प्रदीप द्विवेदी, किशोर मलोसे, शेखर जी, राजेंद्र बालापुरे, अमित शर्मा (भोपाल), नन्हे पठान, तबला वादक आनंद नामदेव, नीवा संगीत ग्रुप के आदित्य परसाई, सक्षम पाठक सहित म्यूज़िक ज़ोन के सदस्यों के परिवारजन एवं इंग्लिश ज़ोन संस्था के छात्र-छात्राएं एवं भारी संख्या में संगीतप्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन सईद कुरैशी एवं डॉ. दिनेश श्रीवास्तव ने किया एवं म्यूज़िक ज़ोन के वैभव शुक्ला द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

खेल समाचार

डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबलः लॉर्ड्स टेस्ट में जीत के साथ इंग्लैंड को हुआ एक पायदान का फायदा, पाकिस्तान की हालत खस्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। इंग्लैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान को 194 रनों से हराया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की प्वाइंट्स टेबल में भी फायदा पहुंचा है। इंग्लैंड ने लीड्स के बाद लॉर्ड्स के मैदान पर लगातार दूसरे टेस्ट मैच में शानदार जीत दर्ज की। इसके साथ ही इंग्लिश टीम ने डब्ल्यूटीसी की प्वाइंट्स टेबल में एक पायदान की छलांग लगाई है। इंग्लैंड का जीत प्रतिशत अब 34.44 हो गया है और टीम टेबल में अब छठे नंबर पर पहुंच गई है। इंग्लैंड टीम की जीत से श्रीलंका का नुकसान हुआ है और वह सातवें नंबर पर खिसक गई है। वहीं, पाकिस्तान टेबल में सबसे निचले पायदान पर है और टीम का जीत प्रतिशत महज 16.67 रह गया है। ऑस्ट्रेलिया की बादशाहत बरकरार है और टीम का जीत प्रतिशत 80 है। वहीं, साउथ अफ्रीका 75 के जीत प्रतिशत के साथ डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर काबिज है। न्यूजीलैंड 72.22 के जीत प्रतिशत के साथ तीसरे नंबर पर मौजूद है। बांग्लादेश 55.56 जीत प्रतिशत के साथ चौथे स्थान पर बरकरार है। भारतीय टीम 51.52 के जीत प्रतिशत के साथ पांचवें नंबर पर है।

दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड का प्रदर्शन शानदार रहा। पहली पारी में 290 रन बनाने के बाद इंग्लिश गेंदबाजों ने पाकिस्तान की पूरी टीम को पहली इनिंग में सिर्फ 110 रनों पर समेटा। इसके बाद दूसरी पारी में इंग्लैंड ने 208 रन बनाकर पाकिस्तान के सामने जीत के लिए 389 रनों का लक्ष्य रखा। हालांकि, ओली रॉबिन्सन, जोफ्रा आर्चर और जोश टंग की शानदार गेंदबाजी के आगे पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने दूसरी इनिंग में भी आसानी से घुटने टेक दिए और पूरी टीम 194 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त भी हासिल कर ली है। सीरीज का तीसरा और आखिरी टेस्ट मुकाबला 9 सितंबर से बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट मैदान पर खेला जाना है।

रियल मैड्रिड ने मालागा को 4-0 से रौंदा, जूड बेलिंगहम बने जीत के नायक

मैड्रिड ,(आरएनएस)। रियल मैड्रिड ने 2026/27 सीजन के शुरुआती दौर में अपना शानदार रिकॉर्ड बनाए रखते हुए हाल ही में प्रमोट हुई टीम मालागा को 4-0 से हराया। रियल मैड्रिड की ओर से जूड बेलिंगहम जीत के नायक रहे, जिन्होंने एक गोल करने के साथ-साथ एक असिस्ट भी किया। बेलिंगहम ने मैच के 19वें मिनट में गोल करके रियल मैड्रिड की टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। इंग्लैंड के इस खिलाड़ी ने सात मिनट बाद दूसरे गोल में भी अहम भूमिका निभाई, जब मालागा के गोलकीपर अल्फोंसो हेरेरो से टकराकर गेंद नेट में चली गई। इसके बाद, आधे घंटे के खेल के दौरान ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड के बेहतरीन क्रॉस पर किलियन एम्बाप्पे ने सही जगह पर रहकर गोल किया और रियल मैड्रिड को 3-0 से आगे कर दिया। लगातार आठ दिनों में तीन मैच खेलने के बाद रियल मैड्रिड ने दूसरे हाफ में खेल की रफ्तार थोड़ी कम कर दी। फिर भी टीम ने मैच पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। इंजरी टाइम (स्टॉपेज टाइम) में अर्दा गुलेर ने टीम के लिए मैच का चौथा गोल दागा। एथलेटिक क्लब ने सेल्टा विगो के खिलाफ उनके मैदान पर 2-0 से जीत हासिल कर एडिन टेरजिक के नेतृत्व में शानदार खेल दिखाते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की। एलेक्स बेरेंग्वेर और रॉबर्ट नवारो ने पहले हाफ में गोल किए।

वेलेंसिया के लिए सीजन की मुश्किल शुरुआत जारी रही। टीम को डेपोर्टिवो ला कोरुना के मैदान पर 3-1 से हार का सामना करना पड़ा। मेहमान टीम ने सीजर टैरेगा और मौक्टर डायखाबी के जरिए दो ओन गोल करके अपनी मुश्किलें खुद बढ़ाई।

US Open 2026 में बड़ा उलटफेर, पहले ही दौर में बाहर हुए नोवाक जोकोविच; 25वां ग्रैंडस्लैम जीतने का सपना टूटा

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब का पीछा कर रहे सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को US Open 2026 के पहले ही दौर में चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मुकाबले में अर्जेंटीना के मारियानो नवोने ने जोकोविच को पांच सेट तक चले मुकाबले में 7-6(5), 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।जोकोविच एक समय मुकाबले में दो सेट से एक से आगे थे और चौथे सेट में भी ब्रेक की बढ़त हासिल कर चुके थे, लेकिन इसके बाद उनकी शारीरिक परेशानी ने मैच का रुख बदल दिया। गर्म और उमस भरे मौसम में जोकोविच शरीर का तापमान नियंत्रित करने के लिए संघर्ष करते नजर आए। गेम बदलने के दौरान वह गर्दन और सिर पर लगातार आइस पैक लगाते दिखाई दिए।तीसरे सेट के बीच में जोकोविच की

तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें कोर्ट के बाहर एक विज्ञापन बोर्ड के पीछे जाकर उल्टी करनी पड़ी। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और मुकाबले में बने रहने के लिए पूरा जोर लगाया। आर्थर ऐश स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने भी उनका हौसला बढ़ाया। हालांकि नवोने ने जोरदार वापसी करते हुए चौथा सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया। निर्णायक पांचवें सेट से पहले जोकोविच ने मेडिकल टाइमआउट लिया और फिजियो से अपनी कमर के निचले हिस्से का उपचार कराया।उपचार के बाद जोकोविच ने चेयर अंपायर की ओर अंगूठा दिखाया और दोबारा कोर्ट पर उतर गए। अपने अनुभव और जबरदस्त जुझारूपन के लिए मशहूर जोकोविच ने दर्द के बावजूद मुकाबला जारी रखा, लेकिन उनकी शारीरिक स्थिति नवोने के आक्रामक बेसलाइन खेल के सामने टिक नहीं सकी। पांचवें सेट में नवोने ने पूरी तरह दबदबा कायम रखा और 6-1 से सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ ही जोकोविच का S Open 2026 अभियान पहले ही दौर में समाप्त हो गया और उनके 25वें मेजर खिताब की तलाश भी फिलहाल अधूरी रह

हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के बाद वर्ल्ड रैंकिंग में बदलाव, जानिए किस स्थान पर भारत की पुरुष और महिला टीमें?

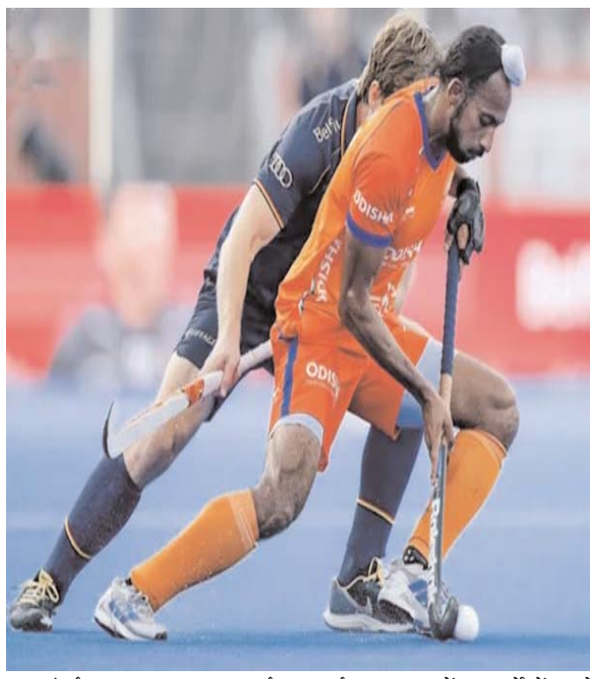

मुंबई (आरएनएस)। एफआईएच वर्ल्ड कप 2026 में 52 वर्षों में अपने अब तक के सबसे शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला हॉकी टीम 'एफआईएच वर्ल्ड रैंकिंग' में 8वें स्थान पर पहुंच गई है। टोक्यो ओलंपिक गेम्स की सेमीफाइनलिस्ट रही यह टीम रैंकिंग में एक पायदान ऊपर चढ़ी है।

वहीं, टोक्यो और पेरिस (2024) में पिछले दो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम का प्रदर्शन भले ही उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन वह टूर्नामेंट से पहले वाली अपनी आठवें स्थान की रैंकिंग को बनाए रखने में कामयाब रही।महिलाओं की रैंकिंग में, साल 2010 के बाद वर्ल्ड कप में अपनी पहली हार के बावजूद, नीदरलैंड्स टूर्नामेंट से पहले बनी अपनी बड़ी बढ़त के कारण 4,083 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। अर्जेंटीना की जीत ने उन्हें नीदरलैंड्स की बढ़त के अंतर को कम करने में मदद की है; वे 3,757 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर अपनी पकड़ और मजबूत कर चुके हैं। बेल्जियम 3,494 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बना हुआ है, जो 48 साल बाद वर्ल्ड कप पोडियम पर ऐतिहासिक वापसी करने में सफल रहा। मेडल की उम्मीदों पर खरा न उतरने के बावजूद, चीन एशिया की सर्वोच्च रैंकिंग वाली महिला टीम बना हुआ है और 3,182 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। उनके पीछे तीन यूरोपीय टीमें हैं। स्पेन (3,089) पांचवें, जर्मनी (3,063) छठे और इंग्लैंड (3,044) सातवें स्थान पर है, और इन टीमों के बीच सिर्फ 45 अंकों का अंतर है।

भारतीय महिला टीम एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में पांचवें स्थान पर रही, जो बीते 52 वर्षों में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इससे टीम एक पायदान ऊपर चढ़कर 2938 अंकों के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गई। ऑस्ट्रेलिया 2,812 अंकों के साथ नौवें स्थान पर है।

टॉप-10 में यूनाइटेड स्टेट्स (2,612) भी शामिल है, जिसने वर्ल्ड कप में 10वां स्थान हासिल किया। इसके बाद जापान (2,476), न्यूजीलैंड (2,446), आयरलैंड (2,426) और स्कॉटलैंड (2,415) क्रमशः 11वें से 14वें स्थान पर हैं। इनके बीच कुल 61 वर्ल्ड रैंकिंग प्वाइंट्स का अंतर है। चिली 2,104 प्वाइंट्स के साथ 15वें स्थान पर है, उसके बाद फ्रांस (2,094) और कोरिया (2,066) हैं, जो वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई थीं। साउथ अफ्रीका 2,050 प्वाइंट्स के साथ 18वें स्थान पर है और वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाली टीमों में आखिरी है। इसके बाद इटली (1,995) और उरुग्वे (1,976) टॉप-20 की सूची पूरी करते हैं। दूसरी तरफ, पुरुषों की रैंकिंग में, लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप जीतने के बाद जर्मनी 3,720 प्वाइंट्स के साथ शीर्ष स्थान पर है। जर्मनी की जीत ने बेल्जियम (3692) को दूसरे स्थान पर धकेल दिया, क्योंकि वर्ल्ड कप में उनका अभियान सातवें स्थान पर समाप्त हुआ था।

दलीप ट्रॉफी : वैभव सूर्यवंशी का बल्ला गरजा, सेंट्रल जोन के खिलाफ खेली आतिशी पारी

बेंगलुरु (आरएनएस)। दलीप ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में सेंट्रल जोन की भिड़ंत ईस्ट जोन के साथ हो रही है। सेंट्रल जोन की टीम को 266 रनों पर समेटने के बाद ईस्ट जोन की शुरुआत दमदार रही है। वैभव सूर्यवंशी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 92 रनों की आतिशी पारी खेली। सेमीफाइनल मुकाबले के दूसरे दिन ईस्ट जोन को वैभव ने अभिमन्यु ईश्वरन के साथ मिलकर बढ़िया शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 153 गेंदों में 162 रनों की अच्छी साझेदारी निभाई। वैभव आक्रामक अंदाज में खेलते हुए दिखाई दिए और उन्होंने 92 रन बनाने के लिए 81 गेंदों का सामना किया। वैभव भले ही अपने शतक से चूक गए, लेकिन उन्होंने अपनी आतिशी बल्लेबाजी से सेंट्रल जोन के गेंदबाजों को खासा परेशान किया। वैभव ने अपनी इस पारी में 7 चौके और सात छक्के लगाए। वैभव की पारी का अंत हर्ष दुबे ने किया। हर्ष की गेंद को बाउंड्री लाइन के पार पहुंचाने के प्रयास में वैभव अरशद खान को कैच दे बैठे। दूसरे दिन के लंच ब्रेक तक ईस्ट जोन ने पहली पारी में 2 विकेट खोकर 183 रन स्कोरबोर्ड पर लगा लिए हैं। हालांकि, कुमार कुशाग्र बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह पहली ही गेंद पर आउट हुए। अभिमन्यु अपना अर्धशतक पूरा करके क्रीज पर डटे हुए हैं। वहीं, उनका साथ सुदीय कुमार दे रहे हैं। इससे पहले, गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन के बूते ईस्ट जोन ने सेंट्रल जोन की पूरी टीम को पहली पारी में 266 रनों पर समेटा। सेंट्रल जोन की ओर से रिंकू सिंह ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली।

न्होंने 88 गेंदों में 60 रन बनाए। हालांकि, रिंकू को दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला। आर्यन जुयाल ने 46 रनों का योगदान दिया। ईस्ट जोन की ओर से गेंदबाजी में मुकेश कुमार और अभिजीत सरकार ने तीन-तीन विकेट चटकाए। वहीं, मोहम्मद शमी और मोहम्मद कौनेन कुरैशी ने 2-2 विकेट अपने नाम किए।

लोक निर्वाण विभाग से सेवानिवृत्त कर्मचारी को दी भावभीनी विदाई

नर्मदापुरम (निप्र)। लोक निर्वाण विभाग से सेवानिवृत्त कर्मचारी दुलाल सराठे को विभाग के अधिकारियों एवं साथी कर्मचारियों ने सर्किट हाउस में भावभीनी विदाई देते हुए वस्त्र, श्रीफल स्मृति चिन्ह प्रदान कर दीर्घायु और उज्जवल भविष्य की मंगलकामनाएं की। इस मौके पर मौजूद विभाग के अनुविभागीय अधिकारी एसडीओ आमोद दुरापे ने कहा कि शासकीय सेवा में रहते हुए श्री सराठे का अच्छा योगदान रहा है। उन्होंने विभाग के निर्देशों के पालन करते हुए एक अलग ही भूमिका निभाई है। श्री दुरापे ने कहा कि शासकीय सेवा में एक दिन नियुक्ति होती है और एक दिन ऐसा आता है कि हर शासकीय सेवा करने वाले की सेवानिवृत्ति होती है। इस दोनों के बीच में बिताए हुए दिन महिने और वर्ष यादगार होते हैं। विदाई समारोह में आरडी भाटी, सुनील दुबे, अनिल गौर, ब्रज मोहन भट्ट आशीषि बिल्लोरे, लल्लू लाल मालवीय, ब्रज मोहन कटारे, महेश गूजर, रितेश लौवंशी, सहित अनेक विभागीय कर्मचारी और उनके परिजन मौजूद रहे।

ग्वालटोली शासकीय स्कूल के पास चल रहा सट्टा

अवैध शराब का कारोबार पुलिस अधीक्षक को की शिकायत

नर्मदापुरम (निप्र)। ग्वालटोली स्थित शासकीय स्कूल के सामने एवं ग्वालटोली चौराहा के आसपास अवैध रूप से सट्टा लिखा रहा है एवं अवैध शराब की बिक्री हो रही है। इसके कारण असामाजिक तत्वों का जमावड़ा ग्वालटोली शासकीय स्कूल के सामने चौराहे पर लगा रहता है। इसी मुख्य मार्ग से स्कूली बच्चें और महिलाओं का आना जाना रहता है जिससें सभी को असुविधा होती है। इसको लेकर अखिल भारतीय ग्वाल महासभा ने मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा को ज्ञापन सौंप कर जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की है। महासभा के पदाधिकारियों ने कहा कि इस क्षेत्र में चल रहे अवैध सट्टे और शराब की अवैध बिक्री पर रोक लगाई जाए। अब सट्टा और शराब से क्षेत्र का माहौल बिगड़ रहा है। इस मौके पर अखिल भारतीय ग्वाल महासभा के प्रदेश अध्यक्ष नंदकिशोर यादव आत्माराम यादव, पार्षद नरेंद्र पटेल, उमेश यादव जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत यादव किसान मोर्चा नगर अध्यक्ष वेद प्रकाश यादव चैन सिंह यादव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत चिन्हित शिकायतों का किया जाए शत प्रतिशत निराकरण : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

जिले में बढ़ाया जाए खाद्यान्न वितरण, अपेक्षाकृत कम वितरण पर संबंधितों के विरुद्ध की जाए कार्यवाही

नर्मदापुरम (निप्र)। सोमवार को आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत प्राप्त एवं लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शिकायतों का प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनविश्वास अभियान के तहत प्राप्त शिकायतों का निराकरण नहीं करने वाले संबंधित विभाग के अधिकारियों को नोटिस जारी किए जाएं। कलेक्टर ने सितंबर माह के प्रथम सप्ताह में आयोजित होने वाले जनविश्वास अभियान के शिविर की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने शिविर के लिए चिन्हित शिकायतों के निराकरण के संबंध में एसडीएम पिपरिया को निर्देशित किया कि शिविर आयोजित होने से पूर्व शत-प्रतिशत शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि शिविर में आने वाले नागरिकों को उनकी समस्याओं का समाधान मिल सके। कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभाग के अंतर्गत आने वाले संस्थानों का आवश्यक रूप से निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल कार्यालयीन कार्यों तक सीमित न रहें, बल्कि अभियान अंतर्गत विभागीय संस्थानों की व्यवस्थाओं का मैदानी स्तर पर निरीक्षण कर उनकी स्थिति का जायजा लें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि संस्थानों के निरीक्षण के बाद तैयार की गई निरीक्षण रिपोर्ट 24 घंटे के भीतर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाए। इस दौरान कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सीएम हेल्पलाइन पर नॉन अटेंडेड शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों के प्रति सख्त नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को समय पर अटेंड नहीं करने वाले संबंधित विभाग के अधिकारियों को एससीएन (कारण बताओ नोटिस) जारी किए जाएं। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। नागरिकों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों का समय-सीमा में परीक्षण कर संतुष्टिपूर्वक एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में स्वास्थ्य एवं राजस्व विभाग की 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों की भी विशेष रूप से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने दोनों विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित शिकायतों पर प्राथमिकता से कार्यवाही करते हुए उनका संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने विभाग से संबंधित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की नियमित रूप से समीक्षा करें तथा लंबित शिकायतों के निराकरण की व्यक्तिगत रूप से मॉनिटरिंग करें।

महिला मोर्चा की नारी शक्ति ने रक्षा सुरक्षा करने वाले पुलिस भाईयों को बांधी राखी

सुखद स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की

नर्मदापुरम (निप्र)। सभी की रक्षा सुरक्षा में तैनात रहने वाले पुलिस भाईयों को भाजपा महिला मौर्चा की नारी शक्ति ने राखी बांधकर शुभकामनाएं। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला नर्मदापुरम महिला मोर्चा की बहनों ने सिटी कोतवाली पहुंचकर पुलिसकर्मी भाइयों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस अवसर पर महिला मोर्चा की बहनों ने पुलिसकर्मी भाइयों की कलाई पर स्नेहपूर्वक राखी बांधकर उनके सुखद स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती मोनिका चौकसे ने सभी पुलिसकर्मी भाइयों को रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई.बहन के पवित्र रिश्ते का पर्व ही नहीं बल्कि विश्वास स्नेह सम्मान और सामाजिक समरसता का भी प्रतीक है। समाज और राष्ट्र की सुरक्षा में पुलिसकर्मियों का योगदान सदैव सम्माननीय है। इस अवसर पर मोनिका चौकसे नीरजा फौजदार ममता शर्मा वंदना शर्मा अनुजा मिश्रा रजनी यादव ज्योति डेहरिया जयबाला निगम शशि राय सहित महिला मोर्चा की बहनें उपस्थित रहीं।

सेवादल का ध्वज वंदन कार्यक्रम संपन्न, राष्ट्रसेवा और संगठन के प्रति समर्पण का लिया संकल्प

नर्मदापुरम (निप्र)। कांग्रेस नगर सेवादल द्वारा रविवार को मीनाक्षी क्षेत्र के भवानी चौक पर कांग्रेस सेवादल द्वारा ध्वज वंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस सेवादल और कांग्रेस पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं एवं कांग्रेसजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और राष्ट्रध्वज को नमन करते हुए देशए संगठन और समाज की सेवा का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस महासचिव राजकुमार केलू उपाध्याय ने कहा कि कांग्रेस सेवादल कांग्रेस पार्टी की अनुशासित और समर्पित शाखा है, जो महात्मा गांधी के सत्य अहिंसा सेवा के सिद्धांत पर राष्ट्र और जन सेवा के लिए काम करता है। झंडा वंदन करने के उपरांत पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष सत्येन्द्र फौजदार ने कहा राष्ट्रभक्ति के आदर्शों से प्रेरणा लेकर सेवादल जनसेवा के कार्यों में सदैव अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। आंदोलनों से लेकर सामाजिक सरोकारों तक सेवादल के कार्यकर्ता अनुशासन और सेवा की जिम्मेदारी निभाते आए हैं। कार्यक्रम में सलीम खान अध्यक्ष नगर कांग्रेस सेवादल ने कहा सेवादल का ध्वज हमारे त्याग

अनुशासन सेवा और राष्ट्रभक्ति की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है। जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अमित गुप्ता ने कहा सेवादल ने हमेशा संगठन को मजबूत करने के साथ समाज और राष्ट्र की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।जिला कांग्रेस संगठन मंत्री मधुसुदन यादव ने कहा देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और जनसेवा के लिए सेवादल की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। सेवादल यंग ब्रिगेड प्रदेश अध्यक्ष गजानंद तिवारी गज्जू ने कहा सेवादल का अनुशासन कार्यकर्ताओं को निस्वार्थ भाव से जनता के बीच काम करने की प्रेरणा देता है। नेता प्रतिपक्ष अनोखेलाल राजोरिया ने कहा महात्मा गांधी के सेवा और अहिंसा के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने में सेवादल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। नगर किसान कांग्रेस अध्यक्ष शिवमंगल सिंह चौहान, दीपसिंह सिसोदिया सहित अन्य अनेक कांग्रेस नेताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कांग्रेसजनों ने सेवादल की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने तथा समाज और राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में उपस्थित सभी कांग्रेसजनों एवं कार्यकर्ताओं का पूर्व जिला कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष राकेश शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com